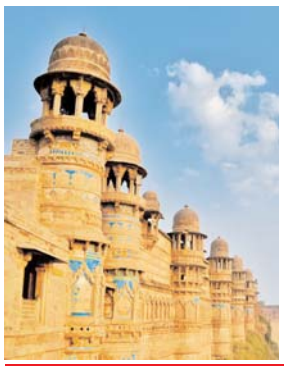

MPHIN/2021/83938

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 1 | ग्वालियर, 8 नवम्बर बुधवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

जाति सर्वे के बाद नीतीश कुमार का एक और बड़ा दांव

विधानसभा में आरक्षण 75 फीसदी करने का प्रस्ताव, क्या बोली बीजेपी

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले बड़ा दांव चला है. उन्होंने मंगलवार (7 नवंबर) को आरक्षण का दायरा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी करने का प्रस्ताव विधानसभा में रखा. उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 फीसदी आरक्षण पहले से मिल रहा है, ऐसे में प्रस्ताव पास हुआ तो रिर्जेवशन बढ़कर 75 फीसदी हो जाएगा. इसका बीजेपी ने भी समर्थन किया है.

बिहार में अब तक ईडब्ल्यूएस को 10 फीसदी, अनुसूचित जाति (स्ष्ट) को 16 फीसदी, अनुसूचित जनजाति (स्ञ्) को एक फीसदी,12 फीसदी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), ईबीसी को 18 फीसदी और 3 फीसदी ईबीसी/ओबीसी वर्ग की महिलाओं को मिलता है. सर्वे रिपोर्ट पर विधानसभा में नीतीश कुमार ने कहा कि इसके जरिए बिहार के आर्थिक सामाजिक स्थिति से अवगत करा दिया गया है. ज्ञानी जैल सिंह ने 1990 में जातीय गणना पर मुझसे बात की थी. ज्ञानी जेल सिंह के आग्रह पर हमने जातीय गणना करवाने की सोची थी. हमने पीएम वीपी सिंह से भी अनुरोध किया था कि देश में जाति आधारित जनगणना करवााई जाए. हम पीएम मोदी से भी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल लेकर मिलने गये थे. जातीय गणना कराने की मांग किये थे. नीतीश कुमार ने कहा, केंद्र के मना करने के बाद बिहार सरकार खुद से अपना से अपने खर्च पर जातीय गणना कराई. देश में पहली बार किसी राज्य में हुआ. विपक्ष कह रहा कि इस जाति की आबादी घट गई है और इस जाति की आबादी बढ़ गई. ये बोगस बात है. नीतीश कुमार के इस ऐलान के बाद बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा कि सरकारी नौकरियों में बिहार में आरक्षण 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी करने का बीजेपी समर्थन करती है. साथ ही उन्होंने कहा कि पंचायत और नगर निकाय में भी 37 फीसदी को बढ़ाकर 50 फीसदी किए जाने की आवश्यकता है. बिहार में जाति सर्वे के बाद नीतीश कुमार का ये बड़ा दांव माना जा रहा है. विपक्षी पार्टियां सर्वे का डेटा रिलीज किए जाने के बाद केंद्र सरकार पर जाति जनगणना कराने का दबाव बना रही है.कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनावी रैलियों में सरकार पर जाति जनगणना करवाने से पीछ हटने का आरोप लगाते रहे हैं. जाति जनगणना की मांगों को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों 3 नवंबर को कहा कि हम राष्टीय पार्टी हैं. हम वोटों की राजनीति नहीं करते हैं. सभी से चर्चा करने के बाद जो भी उचित निर्णय होगा हम बताएंगे. इसके आधार पर चुनाव की नैय्या पार लगाना ठीक नहीं है. बीजेपी ने इसका कभी विरोध नहीं किया है. बहुत सोच समझकर निर्णय लेना होता है. ऐसे में हम उचित **समय पर हम बताएंगे. आरक्षण की सीमा बढ़ाने की लगातार हो रही है मांग**–आरक्षण की सीमा को बढ़ाने को लेकर नेता आए दिन मांग करते हैं. इसी साल सितंबर में तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा था कि 50 फीसदी आरक्षण की सीमा को बढ़ाना चाहिए. इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार से सोश्यो इकोनॉमिक और कास्ट सेंसस का डेटा जारी करने की मांग की थी.

क्यों दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत और नेपाल में बार बार आते हैं भूकंप

नई दिल्ली। नेपाल और उत्तर भारत के क्षेत्रों में लगातार भूकंप के झटके लग रहे हैं. हाल ही में नेपाल में आए भूकंप के दौरान भी ऐसा ही देखने को मिला था. 3 अक्टूबर को नेपाल में 25 मिनट के अंतराल पर 4.6 और 6.2 तीव्रता के दो भूकंप आए थे. दिल्ली और एनसीआर में भी तेज झटके महसूस किए गए थे. साथ ही उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ, हापुड़ और अमरोहा के कुछ हिस्सों में भी भूकंप महसूस किया गया था.

इसके अलावा शुक्रवार (3 नवंबर) को देर रात करीब 11.40 बजे भी नेपाल में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया था. उस वक्त भी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे. अब सवाल उठता है कि ऐसा क्यों होता है कि जब भी नेपाल में भूंकप आता है, तो भारत में भी धरती थरथरा उठती है. दरअसल, राजधानी दिल्ली की हिमालय से दूरी लगभग 300 किमी है. इसलिए दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के आसपास के हिस्सों में बार-बार भूकंप आता है. इसके अलावा नेपाल और उत्तर भारत टेक्टोनिक प्लेटों की सीमा पर स्थित हैं. ऐसे में टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने से जब भी नेपाल में भूकंप आता है, तो दिल्ली और उत्तर भारत में भी इसके झटके महसूस होते हैं.नेपाल स्थित राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र में वरिष्ठ वैज्ञानिक भरत कोइराला का कहना है कि भारतीय और यूरेशिया की टेक्टॉनिक प्लेटों में लगातार टक्कर हो रही है, जिससे बहुत अधिक ऊर्जा उत्पन्न होती है. नेपाल इन दोनों प्लेटों की सीमा पर है, जो भूकंप के मामले में अतिसक्रिय इलाकों में आता है. इसलिए नेपाल में भूंकप आना सामान्य है.

पीएम मोदी के बार-बार मप्र आने से कुछ नहीं होगा, सिहोरा में सचिन पायलट का तंज

नई दिल्ली। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम और दिग्गज कांग्रेस नेता सचिन पायलट चुनाव प्रचार के लिए मध्य प्रदेश के जबलपुर पहुंचे. यहां सचिन पायलट ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बार-बार मध्य प्रदेश आने से कुछ नहीं होगा और यहां की जनता अब बदलाव चाहती है. जबलपुर की तीन विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे पायलट ने मीडिया से चर्चा में कहा कि मध्य प्रदेश के लोग बीजेपी से छुटकारा पाना चाहते हैं. दरअसल, सचिन पायलट जबलपुर जिले की आदिवासियों के लिए सुरक्षित सीट सिहोरा में कांग्रेस उम्मीदवार एकता ठाकुर का चुनाव प्रचार करने आए हैं. इसके अलावा दो अन्य सीटों पर भी सचिन पायलट ने कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में जनसंपर्क किया. जबलपुर में पत्रकारों ने कांग्रेस नेता सचिन पायलट से पूछा कि पीएम मोदी बार-बार मध्यप्रदेश आ रहे है, इससे चुनाव पर कितना

असर होगा. इसके जवाब में पायलट ने कहा कि कोई असर नहीं होगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश भी जा रहे थे लेकिन वहां सरकार कांग्रेस की बनी. सचिन पायलट ने दावा किया कि एमपी में कांग्रेस की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी, क्योंकि जनता अब बदलाव चाहती है. उन्होंने कहा कि बीजेपी के बगावत का फायदा भी कांग्रेस को मिलेगा. युवाओं में कांग्रेस के प्रति बहुत उत्साह है. बता दें कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस के दिग्गज नेता प्रचार में जुटे हैं. प्रियंका गांधी से लेकर तमाम दिग्गज नेता पार्टी के लिए प्रचार की जिम्मेदारी निभा रहे हैं. वहीं सचिन पायलट भी कांग्रेस के लिए चुनावी प्रचार करने पहुंचे. गौरतलब है कि 230 विधानसभा सीट वाले मध्य प्रदेश में 17 सितंबर को मतदान किया जाएगा. वहीं तीन दिसंबर को चुनावी नतीजे घोषित किए जाएंगे.

एनडीए में ओबीसी का कितना प्रतिनिधित्व, कांग्रेस के आरोपों पर पीएम मोदी ने तेलंगाना में गिना दी लिस्ट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीएम केसीआर की भारत राष्ट समिति और कांग्रेस पर हमला करते हुए मंगलवार (7 नवंबर) को बीजेपी की जीत का दावा किया. उन्होंने कहा कि तेलंगाना में पहली बार बीजेपी का अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का मुख्यमंत्री होगा. पीएम मोदी ने हैदराबाद में कहा, कांग्रेस और बीआरएस कभी पिछड़े वर्ग से आने वाले शख्स को सीएम नहीं बनाएगी. उन्होंने इस दौरान दावा किया कि कांग्रेस और बीआरएस मिली हुई है. दोनों के डीएनए में तीन बातें कॉमन हैं. ये भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और परिवारवाद है. पीएम मोदी ने कहा कि ये ह्रष्ठ और ब्द्धक्क ही है जो ओबीसी हितों का सबसे ज्यादा ध्यान रखती है. उन्हें सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व

देती है. उन्होंने कहा, केंद्र की एनडीए सरकार में 27 ओबीसी मंत्री हैं, जो आजादी के बाद सबसे ज्यादा हैं. आज देश में बीजेपी के 85 ओबीसी सांसद हैं. आज देश में बीजेपी के 365 ओबीसी विधानसभा सदस्य हैं. मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री, केंद्रीय राज्य मंत्री और केंद्रीय स्वतंत्र प्रभार मिलाकर 77 मंत्री हैं. अगर 27 मंत्री ओबीसी समाज से आते हैं तो ऐसे में ये करीब 35 फीसदी हुआ.

उन्होंने आगे कहा कि हमारे कुम्हार हों, सुनार हों, सुथार हों, मूर्तिकार हों, कपड़े धोने वाले हों, कपड़े सिलने वाले हों, जूते बनाने वाले हों, बाल काटने वाले हों और ऐसे बहुत से साथी ब्क्ष्ट समुदाय से ही आते हैं. ऐसे लोगों के लिए ही बीजेपी सरकार ने पीएम विश्वकर्मा योजना बनाई है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित अन्य विपक्षी दल देश में जातिगत जनगणना की मांग करते हुए कह रहे हैं कि केंद्र सरकार ने ओबीसी वर्ग के लिए कोई काम नहीं किया है. हमारे तो चार में से तीन सीएम ओबीसी वर्ग से आते हैं. पीएम मोदी ने दावा किया कि केसीआर सरकार ने रोजगार और पीने का पानी लोगों को उपलब्ध कराने के मामले में धोखा दिया है. ऐसे में तेलंगाना के लोगों ने बदलाव का मन बना लिया है. उन्होंने बीआरएस सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 30 नवंबर को राज्य में इस 'एंटी-बीसी' विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने की जरूरत है.

मप्र चुनाव में अपने ही न बिगाड़ दें कांग्रेस का खेलको किया

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवंबर को मतदान है. कांग्रेस इस बार बहुमत हासिल करने और सरकार बनाने का दावा कर रही है. वहीं, बीजेपी भी फिर से सत्ता में आने की बात कह रही है. इन सबके बीच कांग्रेस के लिए एक बुरी खबर है. टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी में बगावत जारी है और विरोध करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है. पार्टी ने ऐसे करीब 39 बागियों को पार्टी से निष्कासित भी किया है, लेकिन विरोध अब भी जारी है और बड़ा सवाल ये उठता है कि कहीं ये बागी नेता मतदान तक कांग्रेस का खेल न बिगाड़ दें.

अरविंद केजरीवाल जेल गए तो कैसे चलेगी सरकार और पार्टी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार (6 नवंबर) को पार्टी विधायक दल के साथ बैठक की. ईडी के समन और आम आदमी पार्टी की ओर से उनकी गिरफ्तारी को लेकर हो रहे दावे के बीच यह अहम बैठक दिल्ली विधानसभा में हुई. बैठक के बाद दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, बैठक में सभी विधायकों ने अपनी बात रखी. सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सीएम अरविंद केजरीवाल अगर गिरफ्तार होते हैं तो वो जेल से ही दिल्ली सरकार चलाएंगे, क्योंकि दिल्ली की जनता ने उनको ही जनादेश दिया है. संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि मुख्यमंत्री को ट्रायल के बहाने जेल में रखा जाए तो उनको इस्तीफा देना पड़ेगा. सौरभ भारद्वाज ने आगे कहा, पीएम मोदी और बीजेपी को सिर्फ अरविंद केजरीवाल से डर लगता है. आम आदमी पार्टी के सभी विधायकों ने एक बात कही कि अक्सर सीएम केजरीवाल के ऊपर अलग-अलग तरीके से दबाव बनाया जाता है. अब अगर अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया तो दिल्ली की सत्ता कैसे चलेगी। उन्होंने आगे कहा, सभी विधायकों ने अरविंद केजरीवाल से कहा है कि चाहे कुछ भी हो जाए. जमीन से चले, चाहे आसमान से चले, चाहे जेल से चले, चाहे पुलिस कस्टडी से चले या फिर न्यायिक कस्टडी से चले, अरविंद केजरीवाल ही दिल्ली की सरकार चलाएंगे, क्योंकि जनादेश उन्हीं का है.

भारत अब मचा सकता है प्रलय, नयी मिसाइल की पहुंच है पाक तक

नई दिल्ली। भारत अपने अगल-बगल ऐसे पड़ोसियों से घिरा है, जिसकी वजह से उसे हमेशा चौकन्ना और शक्तिशाली रहना जरूरत बन गया है. खासकर, चीन और पाकिस्तान की मौजूदगी भारत के लिए हमेशा ही खतरा पैदा करती है. इसलिए, भारत को अपना डेटरेन्ट रखना पड़ता है और इसी कड़ी में आज भारत ने शॉर्ट डिस्टेंस बैलिस्टिक मिसाइल प्रलय का परीक्षण किया है. इस नयी और घातक मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के पास अब्दुल कलाम आइलैंड से किया गया. यह मिसाइल सतह से सतह पर मार करने वाली है. यह मिसाइल वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास तैनात की जाएगी. इससे पहले दिसंबर 2021 में इसका दो बार परीक्षण किया जा चुका था और इसने इस बार भी अपने मिशन के सभी लक्ष्यों को प्राप्त किया. डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गैनाइजेशन (डीआरडीओ) ने इसका विकास किया है और इसकी मारक क्षमता 350 से 500 किलोमीटर तक है. इस पर 500 से 1000 किलोग्राम के हथियार लादे जा सकते हैं.

केंद्र सरकार ने प्रलय की तैनाती चीन और पाकिस्तान की सीमा पर करने के लिए हरी झंडी दिखा दी है. इस मिसाइल के परीक्षण के दौरान उसकी स्पीड, रेंज और ट्रैक करने वाले उपकरणों की जांच की गई. यह मिसाइल भारत की प्रतिरक्षा को और मजबूत करेगी. इसकी टक्कर चीन के डॉन्ग फेंग 12 और रूस के

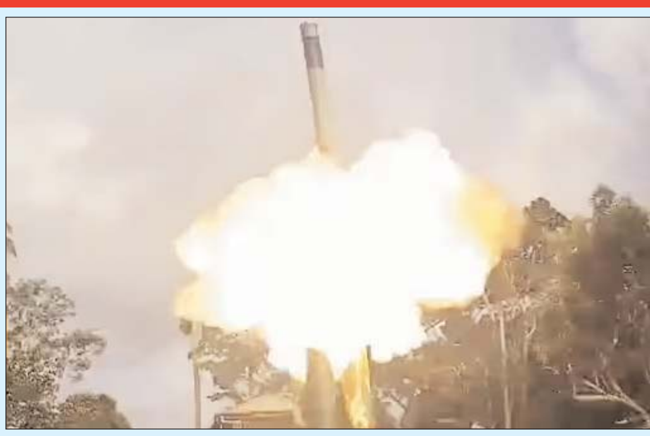

इस्कंदर मिसाइल से है. रूस ने अपनी इस्कंदर नामक इसी तरह की मिसाइल का इस्तेमाल यूक्रेन से चल रहे युद्ध में भी किया है. इस मिसाइल में भारत ने तीन तरह की मिसाइलों की तकनीक का इस्तेमाल किया है. उन मिसाइलों के नाम हैं- प्रहार और पृथ्वी मिसाइल के 2 और 3 प्रारूप. इस मिसाइल का इस्तेमाल रात में भी किया जा सके, इसके लिए इसमें पृथ्वी की तकनीक का इस्तेमाल हुआ है. इंफ्रारेड और थर्मल स्कैनर की सहायता से इसे रात में भी मारक बनाया गया है. सरकार ने चीन और पाकिस्तान से लगती सीमा पर ऐसी 120 मिसाइलों की तैनाती को हरी झंडी दी है. इससे पता चलता है कि सरकार के इरादे चीन और पाकिस्तान के खिलाफ डेटरेंस को मजबूत करना है, ताकि ये दोनों ही देश भारत पर हमला करने की सोच भी न सकें. इन मिसाइलों से दोनों ही देशों में सीमा से लगी सामरिक महत्व की चीजों और ठिकानों को तत्काल ध्वस्त किया जा सकता है. चीन जिस तरह सीमाई इलाकों में अपनी पैठ मजबूत कर रहा है, उसमें भारत के लिए यह बेहद जरूरी कदम था. ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के साथ प्रलय नए प्रस्तावित %रॉकेट फोर्स% का हिस्सा होगा. सितंबर में ही रक्षा मंत्रालय ने प्रलय बैलिस्टिक मिसाइल के लिए मंजूरी दी थी. यह भारतीय सेना के लिए अतिरिक्त आग्नेयास्त्र का काम चीन-पाक सीमा पर तो करेगा ही, यह दुश्मन के ठिकानों और मुख्य अड्डों पर युद्ध के दौरान हमला भी कर सकेगा.

दबोह में चुनावी सभा मे जमकर कॉग्रेस पर बरसे सिंधिया,जनता से बोले आप बस कमल का बटन दबाओ

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- लहार विधानसभा क्षेत्र के दबोह में चुनावी सभा आयोजित की गई जिसमे केन्द्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जन समूह को संबोधित किया।सर्व प्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।आम सभा को संबोधित करते हुए अमरीश शर्मा गुड्डू भैया ने कहा कि मुझे पार्टी ने प्रत्याशी बनाया इस क्षेत्र की जनता पर अभी तक बहुत अत्याचार हुआ है महाराज आप यह भरोसा दिलाए आप लहार क्षेत्र की जनता की रक्षा करोगे आतंक और कुशासन का खात्मा करने का अब समय आ गया है।वहीं उड्डयन मंत्री ज्योतिदित्य सिंधिया जी ने अपना भाषण देने से पहले अपने अनोखे अंदाज में जनता का अभिवादन किया और झुककर प्रणाम भी किया।केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि दबोह के लोग हमारे परिवार के सदस्य है बहुत दिनो से मेरे मन में जिज्ञासा थी लहार और दबोह आने की अब चुनावी बिगुल बज चुकी है,सिंधिया परिवार का सिंधिया परिवार का मुखिया मैदान में आ चुका है इस क्षेत्र में जीवाजी राव ने नगर की योजना लागू की गई थी।सिंधिया परिवार की विचार धारा कभी भी राजनीति की नही रही हैं आज के जमाने में कांग्रेस ने राजनीति को धंधा बना दिया है बड़े बड़े लोग जो रेत खदानों का विरोध करते थे।वही लोग आज सबसे बड़े रेत माफिया है जिस लहार और भिंड को हमारे पूर्वजों ने विकास से जोड़ने का सपना देखा था।ये भिंड का विकाश लहार का विकास हम आपके साथ यह संकल्प लेने आया हूं क्या आप तैयार हो जो कांग्रेस ने अत्याचार 35 वर्षो से किया है उसे खत्म करने का समय आ गया है।कांग्रेस के समय में किसानों को पर्यात बिजली नहीं मिलती थी आज भाजपा के सरकार में 24 घंटे किसानों को बिजली मिल रही है कांग्रेस ने 24 हजार फर्जी बिजली माफ के प्रमाण पत्र तैयार किए गए और मुझसे भी प्रमाण पत्र वितरित करा दिए अगर हमने सरकार नही बदली होती तो आज जो किसान सम्मान निधि मिल रही है वह नही मिल पाती।उन्होने कहा कि मैं लहार की जनता को कहना चाहता हूं की एक तरफ अम्बरीश शर्मा गुड्डू है जिनके साथ शिवराज और ज्योतिरादित्य सिंधिया जी है और एक तरफ आपके साथ डवल इंजन की सरकार है।वहीं दूसरे तरफ आपके पास बिना इंजन की सरकार है।आपको तय करना है कि आगामी 17 नबम्बर को किस सरकार को चुनना है।वहीं उन्होंने कहा कि मैं बहुत ही भावुक हूँ क्योंकि आज एक लंबे अरसे बाद आप लोगो से मुलाकात हुई।उन्होंने कहा कि कॉग्रेस की सरकार में रहते हुए मुझे लहार विधानसभा में नही आने दिया जाता था।कहा जाता था कि आप वहां नही जाओगे और आज भाजपा की सरकार में आपके समक्ष आपका ज्योतिरादित्य सिंधिया खड़ा है।आगे उन्होंने जनता से बोला कि आप बस कमल का बटन दबाओ और लहार विधानसभा के विकास की गारंटी मैं लेता हूँ।अंत मे उन्होंने आमसभा में सभी मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी अम्बरीश शर्मा गुड्डू के लिए बोट मांगे,जिसके बाद पंडाल सिंधिया जिंदाबाद के नारों से सभा स्थल गूंज उठा।

ये हुए कॉग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल- केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आगमन पर तमाम कॉग्रेसी नेताओ,कार्यकर्ताओ ने भाजपा का दामन थामा।जिसमें रिंकू सिंह पूर्व सरपंच महुआ,रामकुमार सैंथिया,श्यामकिशोर त्रिपाठी पूर्व जनपद सदस्य बिजोरा,बबलू पाण्डेय पूर्व सरपंच मशेरन,अरफाज खान,अखलेसी नायक पूर्व सरपंच मछन्ड,बलवीर सविता,रमेश माहौर सुनील माहौर रामदास माहौर आलमपुर,अनिल उपाध्याय अरुषि,मंजू सिंह,गोलु सिंह,चंद्रप्रकाश,दयाराम कुशवाह,विवेक रजक,ओमप्रकाश,कंचन सिंह कौरव,बीपी सिंह,अबधेश सिंह,संजीव सिंह,महावीर सिंह,भानू प्रताप सिंह,इशरत खान,चरन सिंह कौरव,कुलदीप सिंह,बोरे सिंह,चंदू शुक्ला,ब्रजेन्द्र सिंह चप्पे कुशवाह,बहाददुर कुशवाह,मनीराम कुशवाह,मोहर सिंह कुशवाह,मेहरबान कुशवाह,मनोज राठौर,रामनरेश राठौर,श्यामसुंदर जाटव बेलमा,ओमप्रकाश पचोरी,शिवकुमार सीरोटोया,लाखन सिंह कौरव,सत्येंद्र कटारे आदि सैकड़ो लोगो ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा।

कार्यक्रम के दौरान ये रहे मौजूद- केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के चुनावी कार्यक्रम में मंचासिनो में पूर्व सांसद अशोक अर्गल,संगठन प्रभारी जयप्रकाश राजौरिया,सांसद संध्या राय,राज्यमंत्री राजकुमार कुशवाह,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रोमेश महंत,जिला पंचायत अध्यक्ष कामना सिंह भदौरिया,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक चौधरी,जिलाध्यक्ष भाजपा देवेंद्र नरवरिया,रमेश दुवे,बिनोद तिवारी,रामकुमार यादव, नंदराम बघेल,रामकुमार महाते,पूर्व संगठन मंत्री जसमंत सिंह कौरव,नृपेंद्र सिंह जूदेव,जिला मंत्री राजेश सिंह कौरव,पूर्व मंडल अध्यक्ष रामकुमार पटेल खूजा,मंडल महामंत्री राव साहब गुर्जर,अंजनी कुरचानियाँ,कप्तान सिंह कौरव सरपंच गेथरी,भगवान नायक, उमराव सिंह गुर्जर,दीवान सिंह कौरव, ब्रजेंद सिंह,पार्षद लालता कुशवाह, संजीव यादव,संजीव सोनी,घनश्याम दोहरे,दीपक सिंह राजावत,संतोष पटेल जैतपुरा,कुलदीप यादव,राजा यादव,रणजीत यादव,जितेंद यादव, सुशील गोस्वामी सहित भाजपा मंडल कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आगामी चुनाव को देखते हुए दबोह पुलिस ने नगर में निकाला फ्लैग मार्च

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए दबोह थाना पुलिस ने बीएसएफ फोर्स के साथ नगर में फ्लैग मार्च निकाला।दबोह थाने से शुरू हुआ मार्च नगर के मुख्य मार्गो रीछा मोहल्ला,चौक मोहल्ला,चौधरी मोहल्ला,कजियाना मोहल्ला,कोंच रोड से निकाला गया।इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व दबोह थाना प्रभारी परमानन्द शर्मा,उप निरीक्षक देवेंद्र राठौर कर रहे थे।बता दे कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए हर जगह यह फ्लैग मार्च निकाले जा रहे।

पूंजीपति क्या जानें किसान का दर्द, वह तो अपना मुनाफा देखते हैं- शशांक सक्सेना

सीहोर। मंगलवार को कांग्रेस प्रत्याशी शशांक सक्सेना ने जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि मेरे परिवार ने किसानों के हक-अधिकारों की लडाई लडी है। हर परिस्थिति में साथ खडे रहे। मैं भी आपके दुख-सुख में साथ खडा रहूंगा। हर ग्रामीण मेरे परिवार का सदस्य है और उनका ध्यान रखना मेरी जिम्मेदारी। कहा कि जिन्होंने गांव नहीं देखे, खेत नहीं देखे, बारिश, सर्द, मौसम की जानकारी नहीं ऐसे लोग सत्ता में आ गए हैं, पूंजीपतियों को आपके दुख दर्द से कोई वास्ता नहीं वह तो अपना मुनाफा देखते हैं। वोट लेने आएंगे फिर कभी गांवों में दिखाई नहीं देंगे। मंगलवार को सीहोर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी शशांक सक्सेना ने विधानसभा क्षेत्रों के ग्रामों का सघन जनसंपर्क किया। इस दौरान वह ग्राम मानपुरा, मोतीपुरा, रातवतखेडा, आछारोही, छतरपुरा, सांकला, काकूलखेडी, तिनोनिया, गुन्दी, वनखेडा, अहमदपुर में घर घर जाकर

लोगों से मिले। ग्रामों में श्री सक्सेना का जोरदार स्वागत किया गया।शशांक सक्सेना ने ग्रामीणों से कहा कि भाजपा के जनप्रतिनिधि किसान हितेषी बनते हैं लेकिन किसान किन परिस्थितियों में अपना जीवन निर्वहन कर रहा है इन्हें नहीं पता। मंहगाई की मार दूसरी अफसरों की मनमानी ने किसानों का जीवन त्रस्त कर रखा है। एक तो किसानों को उचित बिजली नहीं मिलती तो दूसरी और बिजली अफसर किसानों पर झूठे मुकदमें दर्ज कर जेल भेजते हैं। क्षेत्र में खरीफ फसलें बेमौसफ बारिश से बर्बाद हुई लेकिन किसानों को एक रूपए भी मुआवजा नहीं मिला। फसल बीमा योजना में प्रीमियम काटा जा रहा है लेकिन बीमा नही मिलता। बिजली विभाग, पंचायतों, तहसील, जनपद, कृषि महकमें में किसान अपने हक के लिए भटकते रहते हैं। लेकिन उनकी कोई नहीं सुनता।कहा कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने घोषणा पत्र बनाया गया है। खेती के लिए पांच हार्स पावर बिजली निशुल्क जबकि 10 हार्स पावर पर छूट। दो रूपए किलो प्रतिदर से गोबर खरीदा जाएगा। गौशालाएं बनाई जाएंगी, सहकारिता को बढावा देंगे। मछुआ कृषकों को अधिकार मिलेंगे।श्री सक्सेना ने कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कहा कि अपने बीच के व्यक्ति को चुने जो आपके साथ खडा हो सके। पूंजीपति लोग सिर्फ चुनाव चुनाव ही गांव में दिखाई देंगे, फिर नहीं आएंगे

कर्नाटका राज्योत्सव धूम-धाम से मनाया

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरू। एकदंत गलियारा बलगा विजयनगर द्वारा गणेश उत्सव एवं कर्नाटका राज्योत्सव मनाया गया मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश जी की पूजा अर्चना कर ध्वजारोहण कर मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए. इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया एवं महिलाओं के लिए रंगोली स्पर्धा का आयोजन किया गया विजेता प्रतिभागियों को मुणोत ने पुरस्कृत किया. आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया ।

ढोला में मतदाता जागरूकता के तहत निकाली रैली

ढोला विद्यालय में रंगोली व मेहंदी प्रतियोगिता के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूक किया

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता पाली राजस्थान

जवाली ढोला के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा रंगोली रैली व मेहंदी प्रतियोगिता के द्वारा मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। संस्था प्रधान रेखा भाटी ने बताया कि आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने एवं आगामी 25 नवंबर को अधिक से अधिक मतदान करने की अपील गई। इस दौरान छात्राओं ने

अपने हाथों पर मेहंदी लगाकर मतदान करने का संदेश दिया। इसके साथ ही रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कर मतदान के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर संस्था प्रधान रेखा भाटी, व्याख्याता रुपाराम गोयल, भावना सक्सेन, श्रवण कुमार माधोकी, राजेंद्र सिंह, गायत्री लक्षकार, पुष्पा चौधरी, भावना सक्सेना, सहायक प्रशासनिक अधिकारी प्रेमसिंह परमार, रविंद्रसिंह, पंचायत शिक्षक एवं बूथ लेवल अधिकारी आदि मौजूद रहे।

सीरवी समाज का रक्तदान शिविर का आयोजन आज

400 सौ से अधिक रक्तवीर लेगे भाग

दैनिक पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

बिलाड़ा । सीरवी नवयुवक मंडल परगना समिति बिलाड़ा के तत्वावधान में संचालित सीरवी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समिति द्वारा स्थानीय सीरवी समाज बगेची रिक्तियां भैरू चौराहा, बिलाड़ा में कल 8 नवम्बर 2023, को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा, नवयुवक मंडल अध्यक्ष अशोक परिहार ने बताया कि पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री नरेश पँवार की प्रथम पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर के आयोजन को लेकर लगभग सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई, उन्होंने शिविर पूर्व कार्यकर्ताओं की बैठक में बताया कि शिविर में लगभग 400 से अधिक रक्तवीर भाग लेंगे, इस कार्यक्रम में सर्वसमाज के गणमान्य समाज सेवी बन्धु ओर विभिन्न समाज

सेवी संगठनो के पदाधिकारी भी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि हमारा संगठन हर जरूरतमंद को वर्षभर ब्लड यूनिट निःस्वार्थ भाव से उपलब्ध करवाता है, उन्होंने बताया शिविर में भाग लेने वाले प्रत्येक रक्तदाता को विशेष उपहार भी भेंट किये जायेंगे। सचिव जगदीश बर्फा ने इस मानव हितार्थ आयोजित रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की । इस अवसर पर गजाराम परिहार, तुलछाराम परिहार, शैतान सिंह राठौड़, रमेश राठौड़, तरुण मुलेवा, रमेश पँवार, देवीसिंह भींवराज, एडवोकेट सी. आर. चौधरी, चंद्रसिंह राठौड़, धन्नाराम राठौड़, माधवसिंह राठौड़, माधुसिंह लालावत, प्रमोद राठौड़, रामजस आचार्य, ओमप्रकाश राठौड़, तुलछाराम काग, जीवनराम बर्फा, श्याम छीपा, चिमनप्रकाश बर्फा, चिमनसिंह पँवार, गोविंद पँवार, धर्माराम पँवार, धर्मेंद्र लक्षकार, हेमंत राजपुरोहित, महेंद्र पालावत, भगवान सिंदरा, जितेंद्र राठौड़, शेषाराम राठौड़,भंवर लाल,पुखराज जांझवात सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अस्पताल में घायलों का उपचार किया गया

पुष्पांजलि टुडे संवाददाता पाली राजस्थान

जवाली, निम्बाड़ा । सादड़ी पुलिस हेड कांस्टेबल शैतान सिंह ने बताया कि सादड़ी-मुंडारा सड़क मार्ग पर रविवार शाम को एक जीप चालक ने दो मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया। जिसमे दरगी पत्नी सुरमाराम गमेती, बाबूलाल पुत्र कानाराम गमेती, मीरा पत्नी बाबूलाल गमेती निवासी भानपुरा और माणकराम पुत्र सोवताराम देवासी निवासी मुंडारा घायल हो गए थे।बाबूलाल गमेती ने बताया कि वह परिवार जनों के साथ मुंडारा में रहकर कर कृषि कार्य करता है, जो गांव भानपुरा में परिवार में एक महिला का देहांत होने के कारण गांव गए थे। वहां से शाम को वापस मुंडारा पहुचने ही वाले थे कि जीप ने चपेट में ले लिया घरघे वर चंद्र कंडारा जितेंद्र सिंह और अनुराग ने मौके पर जाकर घायलों को सादड़ी अस्पताल में भर्ती करवाया।

नवरत्न पब्लिक स्कूल में चलाये जा रहे अमेजिंग किड्स अबेकस खरगोन संस्था

नवरत्न पब्लिक स्कूल में चलाये जा रहे अमेजिंग किड्स अबेकस खरगोन संस्था

द्वारा अबेकस शिक्षा प्रणाली में नवरत्न पब्लिक स्कूल कि छात्रा अध्या जोशी

ने इंदौर मे आयोजित हुई स्टेट टेलेंट में गोल्ड मेडल और ट्राफी हासिल करके स्कूल का नाम रोशन किया हैजिसमें सम्मान समारोह मे तांडव शो के प्रोड्यूसर श्री महेष सैगर जी, बालिवुड एकटिंग गुरू श्री दिनेश परिहार जी,समिता बागुल मेडम, गणित के विशेषज्ञ श्री मनिष रेहताल सर . प्रिंसिपल, रमेश पंकित सर,

प्रिंसिपल श्री राधेश्याम पंकित के द्वारा छात्रा को ट्राफी, मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान किया गया इस टेलेंट के बाद छात्रा का चयन नेशनल लेवल लिए हुआ है। जिसमें छात्रा अपनी प्रतिभा का हुनर राष्टीय लेवल पर दिखाएगी ।छात्रा की शानदार उपलब्धि पर नवरत्न पब्लिक स्कूल के डारेक्टर श्री नवरत्न यादव सर, श्री मनीष यादव, श्री गोपाल यादव, व प्रिंसिपल श्रीमती अनिता श्रीवास्तव एवं समस्त शिक्षकों ने बधाई दी।

वर्तमान जनपद प्रतिनिधि ने सेमरिया को बना लिया था लूट का अड्डाः अभय

दर्जनों लोगों ने छोड़ी भाजपा , ली कांग्रेस की सदस्यता, जनसंपर्क में मिला देखने को उत्साह

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी (भीम) संभागीय ब्यूरो

रीवा। जिले की सेमरिया विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी अभय मिश्रा का तूफानी जनसंपर्क अभियान जारी रहा इस दौरान वह एक दर्जन से ज्यादा गांव में पहुंचे और लोगों से मुलाकात कर कांग्रेस के समर्थन की अपील की। मंगलवार की सुबह भारतीय जनता पार्टी और बहुजन समाज पार्टी छोड़कर कांग्रेस में आने वालों का ताता लगा रहा। इस दौरान आशीष पांडे अमित पांडे अनीश तिवारी अंकित तिवारी रवि पांडे प्रभाकर तिवारी हरिलाल कल पुष्पराज द्विवेदी दीपेंद्र कॉल शैलेंद्र साकेत आदि ने अभय मिश्रा के हाथों कांग्रेस की सदस्यता ली तथा कहा कि वह कांग्रेस के लिए समर्पित भाव से काम करेंगे। इस दौरान अभय मिश्रा ने उन्हें कांग्रेस में शामिल करते हुए कहा कि यह सभी हमारे परिवार के सदस्य हैं और कांग्रेस सभी की समस्याओं का निराकरण के लिए हमेशा तत्पर रहेगी। जनसंपर्क अभियान के दौरान श्री मिश्र हिनौता, चौरा, चित्ती, देवरी, कला बरहा , माडवा आदि गांवो में पहुंचे जहां लोगों ने उनका आत्मीय स्वागत किया, साथ ही घर-घर जाकर लोगों से कांग्रेस के लिए आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर काफी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे। कांग्रेस प्रत्याशी अभय मिश्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 5 सालों के दौरान सेमरिया क्षेत्र को लूट का अड्डा बना लिया गया था अब ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। क्षेत्र में केवल विकास की गतिविधियां चलेगी तथा बेरोजगारों के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएगी ताकि यहां का बेरोजगार पलायन न कर सके। इस दौरान श्री मिश्र ने जनता से आशीर्वाद मांगते हुए कहा है कि उनका लक्ष्य अगले 5 सालों में सेमरिया को एक विकसित विधानसभा के रूप में तब्दील करना है।

विधानसभा रीवा में कांग्रेस प्रत्याशी इंजी. राजेन्द्र शर्मा का सघन जनसंपर्क जारी

पुष्पांजली टुडे
विवेक तिवारी(भीम)
(संभागीय ब्यूरो)

रीवा। विधानसभा रीवा में कांग्रेस प्रत्याशी इंजी. राजेन्द्र शर्मा का सघन जनसंपर्क जारी है, वह घर-घर पहुंचकर जनता से रीवा सहित प्रदेश में बदलाव कर कांग्रेस सरकार बनाने की अपील कर रहे हैं। कांग्रेस की विचारधारा व कांग्रेस सरकार बनने पर जनता को मिलने वाले योजनाओं के लाभ की जानकारी दे रहे हैं। अन्य दलों के नेता भी कांग्रेस पार्टी की सदस्यता लेकर लगातार पार्टी में शामिल हो रहे हैं व कांग्रेस सरकार बनाने के लिए प्रयासरत हैं। मंगलवार को कांग्रेस प्रत्याशी इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने बैजू धर्मशाला से युवा कांग्रेस की रैली को रवाना किया और यह रैली विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची। इसके अलावा उनके द्वारा गड्डी जोरी, गंगापुर, साकेत बस्ती, ब?ा टोला, इटमा, रामसागर मंदिर, चिरहुला मंदिर, माता मंदिर महाजन टोला सहित पीके स्कूल के समीप वार्ड क्रमांक 16 में जनता के बीच पहुंचकर आर्शीवाद मांगा। इस दौरान उनके द्वारा जानकारी दी गई कि कांग्रेस सरकार बनते ही प्रतिमाह महिलाओ व बहनो के खाते में 1500 रुपए आने शुरु हो जाएंगे। इसके अलावा बिजली बिल सहित अन्य योजनाओं का लाभ जनता को देने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता ने पिछली बार ही शिवराज सरकार को नकार दिया और इसबार फिर से एकबार ब?ा झटका भाजपा को लगने जा रहा है। आप सबके सहयोग से रीवा में सुव्यवस्थित विकास कार्य होंगे। महापौर अजय मिश्रा बाबा ने कहा कि विकास कार्य की झूठे दावे लेकर लोगों के बीच भाजपाई पहुंच रहे हैं, जनता को पता है कि यदि काम किया होता तो बताने की जरूरत ही नहीं प?ती। जनता पूरी तरह से भाजपाईयों को समझ चुकी है, वीडियो-फोटो सामने आ रहे

हैं, किस प्रकार से जनता भाजपाईयों का विरोध कर रही है। आपका सहयोग चाहिए ताकि रीवा क्षेत्र का विकास हो सके। नगर निगम में कई ऐसे प्रोजेक्ट जनता की मांग पर तैयार किए गए लेकिन उनमें भाजपा पार्षदों ने अ?ंगा लगाया, टैक्स कम करने के प्रस्ताव का विरोध कर डाला और आज भी जनता को ब? टैक्स का बेजा बोझ झेलना प? रहा है। अब समय आ गया है कि इनको जनता अपना जवाब दे। उन्होंने कहा कि नगर निगम में कांग्रेस की सरकार है और प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनती है और रीवा में विधायक कांग्रेस के जनता चुनती है तो रीवा विधानसभा का समुचित विकास होगा जो बीते 20 वर्षो में एक व्यक्ति पर भरोसा दिखाने के बाद नही हो सका। कार्यक्रम में चंद्रमणि शुक्ला, सत्यनारायण तिवारी, संतबहादुर सिंह, रामलाल पाण्डेय, रवि बहादुर सिंह, काशी प्रसाद द्विवेदी, भगवान सिंह, प्रेम राज सिंह, लालमान सिंह, योगेश बाजपेई, सूधाकर बाजपेई, हरिहर बाजपेई, चन्द्रशेखर साकेत, शिवबहोर साकेत, तारा सिंह, रामप्रताप सिंह, अशोक बाजपेई, मितेश साकेत, सुरेश सिंह, सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने डाक मतपत्र से मतदान का लिया जायजा

पुष्पांजली टुडे

रीवा।. विधानसभा चुनाव में निर्वाचन ड्यूटी में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा दी गई है। चुनाव प्रशिक्षण के दूसरे चरण में 7 से 11 नवम्बर तक मतदान कर्मियों को मतदान का अवसर दिया जा रहा है। इसके लिए टीआरएस कालेज रीवा में विधानसभावार मतदान केन्द्र तथा हेल्प डेस्क स्थापित की गई हैं। प्रशिक्षण के प्रथम दिन ब?ी संख्या में मतदान कर्मियों ने डाक मतपत्र से मतदान किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने टीआरएस कालेज का भ्रमण कर डाक मतपत्र से मतदान का जायजा लिया। उन्होंने डाक मतपत्र के नोडल अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी से मतदान के संबंध में की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने मतदान करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों से भी मतदान के संबंध में की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले, एसडीएम हुजूर डॉ अनुराग तिवारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वंदे भारत ट्रेन पर क्यों गर्म है विंध्य की सियासत, श्रेय लेने की मची होड़, कांग्रेस ने की शिकायत

रीवा।मध्य प्रदेश में चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो गई है। शहर में कई जगह लगाए गए होर्डिंग्स अब विवादों में आ गए हैं। नागरिक मंच संगठन ने शहर में वंदे भारत ट्रेन को लेकर होर्डिंग्स लगाए हैं। होर्डिंग में वंदे भारत ट्रेन रीवा से प्रारंभ किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव के साथ सांसद जनार्दन मिश्रा व बीजेपी के रीवा से प्रत्याशी राजेन्द्र शुक्ला की तस्वीरें लगाई गई है। कांग्रेस पार्टी ने इसकी शिकायत जिला निर्वाचन अधिकारी से की है और जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष की ओर से निर्वाचन आयोग को एक ज्ञापन दिया गया है। जिसमें कहा गया है कि बीजेपी के प्रत्याशी को सरकार की योजना का श्रेय देने का मतलब आचार संहिता का उल्लंघन है। कांग्रेस ने जल्द कार्रवाई करते हुए सभी होर्डिंग्स हटाने की मांग की है।

108 एंबुलेंस में भी फोटो–वहीं, एक अन्य शिकायत नगर निगम के पार्षद मनीष नामदेव ने किया है। जिसमें 108 एंबुलेंस में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की तस्वीर लगे होने पर आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने कहा है कि शिवराज सिंह चौहान बीजेपी के घोषित प्रत्याशी हैं इसलिए उनकी तस्वीर सरकारी एंबुलेंस में लगाए जाने से चुनाव प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कार्रवाई की मांग उठाई है।

वंदे भारत से मिलेगा लाभ–रीवा से भोपाल के लिए वंदे भारत चलना शुरू हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार इस ट्रेन के लिए सबसे पहले बीजेपी के युवा नेता गौरव तिवारी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर ट्रेन को चलाने की मांग की थी, तब मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गौरव तिवारी की बातों को गंभीरता से लेते हुए भरोसा दिलाया था। इसके अलावा ये भी कहा जा रहा है कि इस ट्रेन के संचालन के लिए राजेन्द्र शुक्ला ने भी रेल मंत्री से मुलाकात की थी।

पीठासीन अधिकारियों तथा मतदान अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण जितना ध्यान से लेगे चुनाव उतनी आसानी से होगा – कलेक्टर

पुष्पांजली टुडे

रीवा। रीवा और मऊगंज जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रो में 17 नवम्बर को मतदान कराया जायेगा। मतदान कराने के लिए मतदान केन्द्रवार मतदान दल गठित कर दिये गए हैं। इनमें शामिल पीठासीन तथा मतदान अधिकारियों का द्वितीय प्रशिक्षण 7 से 10 नवम्बर तक निर्धारित केन्द्रों में आरंभ कर दिया गया है। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, आदर्श विज्ञान महाविद्यालय तथा विधि महाविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने प्रशिक्षणार्थियों को निर्देश दिये। इनमें विधानसभा क्षेत्र रीवा, सिरमौर तथा सेमरिया के मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि सभी पीठासीन अधिकारी तथा मतदान अधिकारी प्रशिक्षण जितना ध्यान से लेंगे चुनाव उतनी ही आसानी से होगा। वोटिंग मशीन व्हीव्हीपैट के संचालन में पूरी कुशलता प्राप्त कर लें। इसके कनेक्शन आदि में यदि किसी तरह कि कठिनाई हो तो उसका समाधान कर लें। प्रशिक्षण के संबंध में सभी तरह के संशयों का निराकरण करके चुनाव कार्य के लिए जाएं। मतपत्र लेखा तैयार करने, मतदान केन्द्र कि व्यवस्था, माकपोल, मतदान ऐजेंटो कि नियुक्ति, वोटिंग मशीनों की सीलिंग तथा चुनाव सामग्री के संबंध में दिए गये निर्देशों के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण का मूल्यांकन अवश्य करें। प्रशिक्षण का प्रेक्षक श्री सुभाष कृष्ण दिवासे ने भी जायजा लिया। प्रशिक्षण देते हुये मास्टर ट्रेनर ने बताया कि मतदान केन्द्र में मतदान के लिए गोपनीय कक्ष का निर्माण करे। इसमे प्रकाश

तथा मतदान कि गोपनीयता बनाए रखने कि उचित व्यवस्था करें। मतदान केन्द्र में दिव्यांग मतदाताओं कि संख्या प्रदर्शित रहेगी। शत-प्रतिशत दिव्यांग मतदाताओं का मतदान सुनिश्चित करें। दिव्यांग मतदाताओं को मतदान की सुविधा देने के लिए व्हीलचेयर भी प्रत्येक मतदान केन्द्र में उपलब्ध रहेगी। मतदान के लिए आने वाले मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए मतदाता पर्ची का उपयोग करें। जिन मतदाताओं के पास में मतदाता पर्ची नहीं है उन्हें निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अभिलेखों के अनुसार मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने के लिए उपयोग करें। उन्होंने बताया कि मतदान दल सभी उम्मीदवारो के मतदान एजेंट निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार नियुक्त करें। उन्हें क्रम अनुसार मतदान केन्द्र में बैठने की व्यवस्था करें। मतदान एजेंटों को मतदान से एक घण्टा पूर्व माकपोल के समय उपस्थित रहने की लिखित सूचना दें। माकपोल निर्धारित समय में मतदान ऐजेंटों कि उपस्थिति में सम्पन्न कराएं। माकपोल में कम से कम 50 मतों का मतदान होगा। उम्मीदवारों कि संख्या के अनुसार प्रत्येक मतदान एजेंट को 10 मतों का माकपोल में मतदान निर्धारित करें। माकपोल का परिणाम दिखाने के बाद मशीन को क्लियर करके निर्धारित समय पर वास्तविक मतदान आरंभ कराएं। माकपोल के समय उपस्थित सभी मतदान एजेंटों के हस्ताक्षर अनिवार्य रूप से कराएं। मतदान समाप्त होने के बाद ईव्हीएम कि सीलिंग के समय भी मतदान एजेंटों के हस्ताक्षर कराएं। मतदान दलों को प्रशिक्षण देते हुए बताया गया कि मतदान केन्द्र में सुरक्षा व्यवस्था, दिव्यांग तथा बुजुर्ग मतदाताओं को बिना लाइन मतदान करने की सुविधा देने, मतपत्र लेखा तैयार करने, चुनाव की आदर्श आचरण संहिता का पालन करने के संबंध में निर्देष दिये गए। पीठासीन अधिकारी तथा मतदान अधिकारी मतदान सामग्री प्राप्त करने के बाद उसका चेकलिस्ट के अनुसार मिलान कर लें। इसी तरह मतदान समाप्त होने के बाद ईव्हीएम तथा अन्य मतदान सामग्री जमा करने के बाद ही उन्हें चुनाव ड्यूटी से मुक्त किया जायेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. सौरभ सोनवणे, सहायक कलेक्टर सोनाली देव, एसडीएम हुजूर डॉ. अनुराग तिवारी, एसडीएम त्योंथर पीके पाण्डेय तथा पीठासीन अधिकारी एवं मतदान कर्मी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने 12 आदतन अपराधियों को किया जिला बदर

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 12 अपराधियों को हुए जिला बदर के आदेश

पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने 12 आदतन अपराधियों को जिला बदर के आदेश दिए हैं। विधानसभा चुनाव के समय कानून और व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजनता की सुरक्षा को ध्यान में रखकर यह कार्यवाही की गई है। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 ख के तहत एक वर्ष के लिए जिला बदर के आदेश दिए हैं। इन 12 आदतन अपराधियों द्वारा लगातार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने, मारपीट, गुण्डागर्दी, गाली गलौज, अवैध शस्त्रों के उपयोग, लोगों को डराने-धमकाने तथा अन्य आपराधिक कृत्यों के कारण यह कार्यवाही की गई है। इन अपराधियों के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में धारा 294, धारा 323, धारा 506, धारा 341, धारा 323, धारा 34, 110 जाप्ता फौजदारी तथा अन्य धाराओं में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। बार-बार समझाइश के बावजूद इन अपराधियों के आचरण में किसी तरह का सुधार नहीं हो रहा है। इनके कृत्यों से जनमानस में आतंक एवं भय व्याप्त है। इनका स्वच्छंद रहना आमजनता के लिए हितकर नहीं है जिसके कारण कलेक्टर द्वारा पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह के प्रतिवेदन के आधार पर जिला बदर की कार्यवाही की गई है। इन सभी आदतन अपराधियों को एक वर्ष की अवधि के लिए रीवा जिले की राजस्व सीमाओं सहित मऊगंज, सिंगरौली, सीधी तथा सतना जिले की सीमाओं से बाहर रहने के आदेश दिए गए हैं। सक्षम अधिकारी के आदेश के बाद ही ये रीवा जिले की सीमाओं में प्रवेश कर सकेंगे। आदेश का उल्लंघन करने पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी। जारी अलग-अलग आदेशों के अनुसार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने यशराज सिंह उर्फ भैयू निवासी सुपिया चौकी शिवपुरवा थाना गोविंदग?, गौरव ओझा निवासी बरा कोठार थाना विश्वविद्यालय, सौरभ तिवारी निवासी बरहुला थाना पनवार, मो. मोबीन खान निवासी बनकुइयाँ थाना चोरहटा, बृजेन्द्र केवट निवासी पैरा थाना सोहागी, भोला चौरसिया निवासी पतौता थाना रायपुर कर्चुलियान एवं दिलीप साकेत निवासी एवं थाना रायपुर कर्चुलियान को जिला बदर के आदेश दिए हैं। जिला दण्डाधिकारी ने मो. शहीद उर्फ मानी निवासी हरदुआ थाना सेमरिया, गुलाब सिंह निवासी डोडकिया थाना जनेह, शुभम तिवारी उर्फ अमित निवासी पटना थाना रायपुर कर्चुलियान एवं राज सिंह परिहार निवासी पुष्पराज नगर थाना सिटी कोतवाली रीवा को एक वर्ष की अवधि के जिले की सीमा से बाहर जाने का आदेश दिया है। जबकि जय प्रकाश सिंह उर्फ झल्लू निवासी चौख?ा थाना जनेह को एक वर्ष की अवधि के लिए जिला बदर करते हुए प्रत्येक माह में 15 दिवस में थाने में उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी किया गया है। आदेश का उल्लंघन करने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कुत्ता मारने के शक में युवक की पिटाई, बचाने आई मां को भी निर्वस्त्र कर पीटा, वीडियो वायरल

रीवा।मध्य प्रदेश के रीवा जिले से एक शर्मसार करने वाला वीडियो सामने आया है। जहां एक युवक को उसके पड़ोस में रहने वाले युवकने बेरहमी से पीटा, जब बेटे को बचाने उसकी मां वहां पहुंची और लोगों से बेटे को छोड़ने की मिन्नतें करने लगी तो आरोपी ने उसकी मां को भी निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा हैकरियर की समस्या, या हो शादी की चिंता, बस एक कॉल में मिलेगा संपूर्ण निदान

पूरा मामला रीवा जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र के दुआरी गांव का बताया जा रहा है। यहां का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवक को एक दूसरा युवक बेरहमी पीट रहा है। इसी बीच युवक की मां उसे बचाने आती और बेटे को नहीं पीटने की मिन्नत करती दिखाई दे रही है। बता दें कि शिवम सिंह नामक युवक का कुत्ता कुंए में मृत हालत में मिला था, कुत्ता मलिक को शक था कि उसके कुत्ते को पड़ोस में रहने वाले युवक ने बिजली के तार में फंसाकर मार डाला है और कुंए में डाल दिया है। इसी रंजिश के चलते उसने अपने पड़ोसी की बेरहमी से पिटाई कर दी, इसी बीच बेटे को पिटता देख मां अपने बेटे को दौड़कर बचाने पहुंची, लेकिन इसका किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया, अब यह वीडियो सोशल मीडिया की सुर्खियां बना हुआ है लोग तरह-तरह के सवाल उठा रहे हैं।

संपादक की कलम से

सोशल मीडिया के ये स्याह पहलु

सोशल मीडिया के नशे को नियंत्रित करने व बड़ी तकनीकी कंपनियों को जवाबदेह बनाने की मांग भारत समेत पूरी दुनिया में उठ रही है। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर विश्वव्यापी चिंताये आकार लेने लगी हैं। भारत में भी सोशल मीडिया के नशे के युवाओं के सिर चढ़कर बोलने पर गाहे-बगाहे चिंता जतायी जाती है। इसकी वजह से जहां एक ओर उनकी एकाग्रता भंग होती है, वहीं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताएं भी परेशान करने वाली हैं। देश में कई ऐसे मामले खबरों की सुर्खियां बने हैं, जब इस लत से रोकने वाले अभिभावकों पर किशोरों द्वारा प्राणघातक हमले किये गये। अब सोशल मीडिया के स्रोत संयुक्त राज्य अमेरिका के दर्जनों राज्यों ने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को कथित रूप से नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाकर फेसबुक व इंस्टाग्राम की स्वामित्व वाली कंपनी मेटा पर मुकदमें दर्ज कराये हैं। शिकायतकताओं ने आरोप लगाया है कि एक नशे की लत के रूप में सोशल मीडिया को प्रोत्साहित करके मोटा मुनाफा कमाने वाली कंपनियां अपने सामाजिक दायित्वों से बच रही हैं। साथ ही जोड़-तोड़ की कोशिशों से अपने मंसूबों को विस्तार दे रही हैं।

दुनिया भर में अभिभावक, शिक्षक, देखभाल करने वाले व नीति निमार्ता वर्षों से सोशल मीडिया से बच्चों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभावों के बारे में चेताते रहे हैं। कई शोधों के निष्कर्ष हैं कि सोशल मीडिया पर लंबा समय बिताने के चलते किशोरों में अवसाद, चिंता, अनिद्रा व खान-पान संबंधी विकार सामने आए हैं। वहीं मेटा के अधिकारियों की दलील है कि उसने किशोरों व परिजनों को सुरक्षित सुविधा प्रदान करने के लिये कई कारगर विकल्प पेश किये हैं। कानूनी प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन रहने के दौरान युवाओं पर पड़ने वाले प्रभावों का जिक्र किया गया है। आरोप है कि इस लत के आदी युवाओं में संवेदनशीलता कम हो रही है। उनमें आत्मबोध से विमुख होने व कल्याण की भावना के प्रति उदासीन होने जैसे भाव उपजते हैं।

सर्व ज्ञात तथ्य है कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों द्वारा गैरजिम्मेदार व्यवहार के चलते कई नामचीन कंपनियों मेटा, टिकटॉक व यूट्यूब पर अमेरिका में पहले ही सैकड़ों मुकदमें चल रहे हैं, लेकिन मौजूदा पहल अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। यदि इन मामलों में कोई निर्णायक फैसला आता है तो नतीजे वैश्विक प्रभाव वाले हो सकते हैं। इसकी लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही है कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के लिये नये ऑनलाइन सुरक्षात्मक प्रावधान किये जाएं। जो कम उम्र के बच्चों के स्वास्थ्य के मद्देनजर निर्धारित हों। विशेषज्ञों की राय है कि सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाना ऑनलाइन सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकता। इसके बजाय डिजिटल साक्षरता और गोपनीयता पर जोर दिया जाना चाहिए। जाहिर है कि सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के माता-पिता के प्रयासों का बच्चे विरोध करेंगे। इसलिये अभिभावकों को सुरक्षात्मक तरीके से समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। जैसे सोने जाने से पहले स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय को सीमित किये जाने के लिये बच्चों से विमर्श किया जाना चाहिए। उन्हें देर रात तक सोशल मीडिया पर बने रहने से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभावों से अवगत कराना चाहिए। उन्हें उस आशंका से मुक्त कराने के प्रयास हों, जिससे उन्हें लगता कि कुछ छूट गया है। उन्हें इस चर्चा के लिये प्रोत्साहित करें कि किस तरह की सामग्री उनके लिये उपयोगी है। उनसे पूछा जाये कि क्या देखने से वे ऊजार्वान महसूस करते हैं या खुद को कमजोर महसूस करते हैं। इस विश्वव्यापी संकट के तमाम तरह के घातक परिणाम देखने में आए हैं। जो अभिभावकों की गहरी चिंता का विषय हैं। इसकी एक मुख्य वजह यह भी है कि बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील सामग्री से अपरिपक्व उम्र में रूबरू हो रहे हैं। जिसके चलते समाज में अल्पवयस्कों में यौन अपराधों की वृद्धि घातक स्तर तक हो रही है। वहीं दूसरी ओर बच्चे भी आपराधिक तत्वों की प्रताड़ना का शिकार बन रहे हैं। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये घर व स्कूल में बच्चों को सोशल मीडिया के स्याह पहलुओं से अवगत करना जरूरी है।

भारतीय सनातन संस्कृति का विस्तार भारतीय समाज ही कर सकता है

हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2023 के मुताबिक, अरबपति उद्यमियों की संख्या देश में बढ़कर 1319 हो गई है। लेकिन बड़ी बात यह कि पिछले पांच साल में एक हजार करोड़ से अधिक की संपत्ति वाले लोगों का आंकड़ा 76 फीसदी बढ़ गया है। निश्चित ही भारत की आर्थिक प्रगति एक सुखद संकेत है, साल 2047 तक विकासशील देशों के वर्ग से निकलकर भारत विकसित देश हो जायेगा। एक दशक में भारत दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था से तरक्की करके दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गया। अनुमान हैं दो साल के अंदर हम तीसरी आर्थिक शक्ति बन जाएंगे। इन उल्लेखनीय आर्थिक उपलब्धियों के बीच चिन्तनीय मुद्दा अमीरी गरीबी का बढ़ता फासला एवं गरीबों की दुर्दशा का होना है। अमीर अधिक अमीर हो रहे हैं और गरीब अधिक गरीब, यह एक गंभीर चुनौती है। पांच राज्यों में विधानसभा एवं अगल वर्ष लोकसभा में यह चुनावी मुद्दा बनना चाहिए, पर कोई भी राजनीतिक दल यह नहीं कर पा रहे हैं। विपक्ष के सामने इससे अच्छा क्या मुद्दा हो सकता है? राहुल गांधी ने लगातार गरीबों की दुर्दशा और अमीरों की बढ़ती दौलत का सवाल उठाया है। राजनीति से इतर अर्थशास्त्रियों और विश्व की नामचीन संस्थाओं की रपटों में यह सवाल लगातार रेखांकित हो रहा है। निस्संदेह इस वक्त भारत की आर्थिक विकास दर का सूचकांक दुनिया में सर्वाधिक है। जहां यह भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने का संकेत दे रहा है, वही भारत के लिए एक और सूचकांक गरीबी एवं भूखमरी से जुड़ा भी सामने आया है, जो ज्यादा परेशान करने वाला है। भुखमरी एवं गरीबी से जुड़ा यह सूचकांक समृद्धि के सूचकांक के साथ सामने आया है, जो यह बताता है कि आजादी के अमृत महोत्सव तक की यात्रा का लक्ष्य जिस प्रजातात्रिक समाजवाद एवं समतावादी समाज संरचना का था, वह कहीं पीछे छूटता जा रहा है।

देश में मानवीय मूल्यों और आर्थिक समानता को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारेण धन कमाना ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति के बीज हमारी परंपराओं में रहे हैं या यह बाजार के दबाव का नतीजा है? कहीं शासन-व्यवस्थाएं गरीबी दूर करने का नारा देकर अमीरों को प्रोत्साहन तो नहीं दे रही है? इस तरह की मानसिकता राष्ट्र को कहां ले जाएगी?

कैंसर को मात देने की चुनौती

अरविंद जयतिलक

दुनिया भर के वैज्ञानिक कैंसर का प्रभावी इलाज खोजने के लिए लगातार शोध कर रहे हैं। उसी का नतीजा है कि आज कीमोथेरेपी के अलावा कई ऐसे उपचार तैयार कर लिए गए हैं जिससे कैंसर को मात देने में सफलता मिल रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले चार दशकों में कैंसर से उबरने वाले लोगों की संख्या में दो गुना इजाफा हुआ है। यूनिवर्सिटी ऑफ जेनेवा और स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ बासेल के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा डिजायनर वायरस तैयार किया है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को अधिक सक्रिय कर कैंसर के प्रोटीन को खत्म कर रहा है। उधरए लंदन के इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर रिसर्च के वैज्ञानिकों ने भी अंडाशय कैंसर के लिए प्रभावी दवा तैयार करने का दावा किया है। आंकड़ों पर गौर करें तो 1991 से अब तक कैंसर से मृत्यु दर में जकरीबन 23 प्रतिशत गिरावट दर्ज हुई है। आज 3٥2 करोड़ लोग कैंसर को मात देकर जीवन जी रहे हैं। भारत की बात करें तो यहां सालाना होने वाली कुल मौतों में से तकरीबन 6 फीसदी यानि 3٥5 लाख लोगों की मौत कैंसर से होती है। यह दुनिया भर में कैंसर से होने वाली कुल मौतों का 8 फीसद है। एक अन्य आंकड़े के मुताबिक देश में हर रोज 13000 लोगों की मौत कैंसर से होती है। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के मुताबिक वर्ष 2020 में तकरीबन 14 लाख लोगों की मौत कैंसर से हुई। इसके मरीजों की संख्या में प्रतिवर्ष 12٥8 फीसद की बढ़ोत्तरी हो रही है। एक अनुमान के मुताबिक वर्ष 2025 में यह बीमारी 15 लाख से अधिक लोगों की जिंदगी लील सकती है। भारत के संदर्भ में कैंसर की प्रमुख वजहों पर नजर दौड़ाएं तो इसके लिए मुख्य रुप से अशिक्षाए कुपोषणए गरीबीए कम उम्र में विवाहए महिलाओं का बार.बार गर्भवती होना और खराब सेहत जिम्मेदार है। अगर इस दिशा में सुधार के कदम उठाएं जाए तो परिणाम बेहतर हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कैंसर के उपचार के विकल्प को मात्र तीन तरीके से पाटा जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले वैश्विक समुदाय को विकासशील देशों में कैंसर की जांच के लिए कार्यक्रम चलाने में मदद देनी चाहिए। इसके तहत रेडियोथेरेपी मशीनें उपलब्ध कराने के साथ ही भारत सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना की तरह आम लोगों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य बीमा को अपनाने का बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हर साल कैंसर के उपचार में पूरी दुनिया में 320 अरब डॉलर का निवेश किया जाए तो कैंसर से होने वाली मौतों की संख्या आधी हो जाएगी। अगर सर्वाइकल व स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाएं समय रहते पपानीकोलाउ ;पैपद्ध स्मीयर और मैमोग्राम स्क्रीनिंग टेस्ट कराकर तुरंत इलाज कराएं तो इस भयंकर बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आईएआरसी के मुताबिक बेहतर उपचार होने की स्थिति में बचने वाले पांच मरीजों में से चार विकासशील देशों के होंगे। लेकिन विडंबना है कि कैंसर पीड़ित मरीजों विशेषकर महिलाओं में इस भयावह बीमारी को लेकर जागरुकता का घोर अभाव है। जागरुकता के लिए साल 2016.18 के दौरान ष्वी

कैनए आई कैनष की थीम निर्धारित किया गया। इसका मकसद प्रत्येक व्यक्ति के सामूहिक व व्यक्तिगत स्तर पर वैश्विक रुप से कैंसर की रोकथाम की दिशा में प्रयास करना था। इस थीम के तहत लोगों को अपनी जीवनशैली को स्वस्थ रखकर तथा परिवार एवं समुदाय को इसके प्रति जागरुक रखकर कैंसर की रोकथाम और उससे बचाव की दिशा में जागरुक किया गया। यह इसलिए भी आवश्यक है कि अमेरिकन कैंसर सोसायटी और प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल लैंसेट द्वारा गत वर्ष खुलासा किया गया कि 2030 तक कैंसर से होने वाली मौतों में 60 फीसद का इजाफा होगा और सालाना 55 लाख महिलाओं को अपनी जान से हाथ धोना पड़ सकता है। दरअसल विशेषज्ञों ने शोध में पाया कि वर्तमान समय में दुनिया की प्रत्येक 7 महिलाओं की मौतों में एक की मौत कैंसर से हो रही है। एक अन्य शोध से भी उद्घाटित हो चुका है कि 2030 तक सर्वाइकल ;बच्चेदानी का मुंहद्ध कैंसर से पीडित महिलाओं की संख्या में 25 फीसद का इजाफा होगा। उल्लेखनीय है कि मौजूदा समय में सर्वाइकल कैंसर की चपेट में आकर हर साल दुनिया में तकरीबन 2 लाख 75 हजार महिलाओं की मौत हो रही है। आंकड़ों पर गौर करें तो सर्वाइकल कैंसर के कारण दम तोड़ने वाली महिलाओं की 85 फीसदी आबादी केवल विकासशील देशों से है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो कैंसर से सर्वाधिक लोगों की मौत अफ्रीकाए एशिया और दक्षिण अमेरिका में रहने वाले लोगों की होती है। कैंसर के कारण मरने वाले 70 फीसद से अधिक लोग इन्हीं तीन महाद्वीपों के होते हैं। चिंता की बात यह भी कि कैंसर से पीड़ित महिलाओं के सर्वाधिक मामले भी गरीब देशों में ही देखे जा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक महिलाओं के कैसर के मामलों में 56 से 64 फीसद मौतें गरीब देशों में होती है। उल्लेखनीय तथ्य यह कि गरीब देशों में कैंसर से होने वाली कुल मौतों में दो तिहाई स्तन कैंसर और 10 में से 9 सर्वाइकल कैंसर से होती है। शोधकताओं की मानें तो तेजी से होते आर्थिक बदलाव से बढ़ती शारीरिक निष्क्रियताए असंतुलित खुराकए मोटापा और प्रजनन कारकों के चलते गरीब देशों में कैंसर पीड़ित महिलाओं की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। अगर नियमित शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा दिया जाए तो इससे शरीर संतुलित रहेगा और एक तिहाई कैंसर के मामले रोके जा सकते हैं। ष्इंडस हेल्थ प्लसष की रिपोर्ट की मानें तो शहरों में बढ़ते हुए मोटापे के कारण 10 से 12 फीसद जनसंख्या पेट के कैंसर के जोखिम के दायरे में आ गयी है। 25 से 30 वर्ष के आयु वर्ग की 17 फीसद जनसंख्या में धुम्रपान एवं तंबाकू के सेवन के कारण मुख एवं फेफड़े के कैंसर का उच्च स्तरीय खतरा बन गया है। चिकित्सकों का कहना है कि एक तिहाई से ज्यादा कैंसर तंबाकू या उससे बने उत्पादों के सेवन की देन है जबकि एक तिहाई खान.पान व रहन.सहन या दूसरे कारणों हो होते हैं। जहां तक महिलाओं द्वारा तंबाकू का सेवन का सवाल है तो इनकी संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। महिलाओं को तंबाकू के सेवन से बचना चाहिए क्योंकि उनका शरीर तंबाकू के प्रति उच्च संवेदनशील होता है। तंबाकू के सेवन से उनमें सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। तंबाकू के सेवन के अलावा घर व बाहर का वायु प्रदूषण भी कैंसर के बढ़ते खतरे का शबब बनता जा रहा है। भारत में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 35 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के लोग विभिन्न प्रकार के कैंसर के जोखिम के दायरे में आ रहे हैं जिसके लिए काफी हद तक वायु प्रदुषण भी जिम्मेदार है। वाहन एवं उद्योगों से निकलने वाले जहरीले धुंए से होने वाले प्रदूषण के कारण पिछले वर्ष फेफड़े के कैंसर मामले में 5 से 6 फीसद की वृद्धि हुई है। दक्षिण पूर्व एशिया में यह समस्या ज्यादा विकट है। वर्तमान समय में विश्व के शीर्ष 20 प्रदूषित शहरों में 14 दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र से हैं। हालांकि विश्व कैंसर दिवस के संस्थापक ष्यूनियन फॉर इंटरनेशनल कैंसर कंट्रोल का दावा है कि विकासशील देश में फैली कैंसर की बीमारी उपचार के विकल्प की कमियों का नमूना भर है। यूनियन का कहना है कि अगर ष्एचपीवी टीकाष को कैंसर के मरीजों के बीच अच्छी तरह वितरित किया जाए तो सर्वाइकल कैंसर को समाप्त किया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि विकासशील देशों की इस टीके तक पहुंच ही नहीं है जिसके कारण कैंसर पीड़ितों की मौत का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। जबकि कैंसर विशेषज्ञों का कहना है कि कैंसर के 90 फीसद से ज्यादा मरीजों का फस्ट स्टेज में इलाज हो सकता है। पर देखा जाए तो इस स्तर पर ठोस पहल नहीं होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इस दिशा में ठोस पहल नहीं हुआ तो 2025 तक सामने आने वाले कैंसर के नए मामलों में 70 फीसद मामले विकासशील देशों के हो सकते हैं।

स्मार्ट फोन से दूर रख शिशुओं को किलकारियां मारने दे

बाल मुकुन्द ओझा

देशभर में शिशु सुरक्षा दिवस सात नवंबर को मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम प्रत्येक बच्चे के आगे बढ़ने का अधिकार सुनिश्चित करना रखी गई है। देश और दुनिया प्रगति और विकास के नए सोपान स्थापित कर रही है। मगर देखा जा रहा है हम शिशुओं को व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में सफल नहीं हो रहे है। युवा पीढ़ी जहाँ शिशु को मां के दूध से वंचित रख रही है वहां स्मार्ट फोन बच्चों को थमा कर उनके भविष्य और सेहत से खिलवाड़ कर रही है। अक्सर देखा गया है अभिभावक जब किसी पार्टी या अन्य कार्य में व्यस्त होते है तो बच्चों को स्मार्ट फोन थमा देते है। बच्चे बोल नहीं पाते मगर मोबाइल की रंगीन दुनियां में डूब जाते है जो उनकी सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। इसके अलावा टीवी स्क्रीन से भी शिशुओं को दूर रखना होगा। यह समय शिशुओं के किलकारियों का हैए ऐसे में शिशु सुरक्षा के लिए बेहद जरुरी है की इस प्रकार के कृत्य से बचे। इस दिन को मनाने का उद्देश्य शिशुओं की सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाना और शिशुओं की उचित देखभाल करके उनके जीवन की रक्षा करना है।

स्वास्थ्य संबंधी देखभाल ना होने के कारण यह समस्या और भी विकराल होती जा रही है। भारत में इस संदर्भ में कई कार्यक्रमों और योजनाओं को जनहित में लागू करके शिशुओं की

मृत्यु दर को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए है। लेकिन जनसंख्या के बढ़ते बोझ व बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव तथा जागरूकता की कमी के कारण शिशुओं की मृत्यु दर में अपेक्षित कमी नहीं आई है। भारत में हर साल लाखों बच्चे ऐसी बीमारियों के चलते मौत के मुंह में जा रहे हैंए जो निदान योग्य हैं यानी जिनका इलाज मुमकिन है। हमारे देश में सरकारें नवजात शिशुओं को स्वास्थ्य सुरक्षा दे पाने में नाकामयाब और लापरवाह साबित हो रही हैं। नये भारत के निर्माण का सपना हमारा खंडित होता है। देश और समाज की प्रगतिए खुशहाली और विकास उसके नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। जब हम स्वास्थ्य की बात करते हैंए तो इसका संबंध शिशुओं और माताओं से सबसे पहले होता है। जिस समाज में प्रतिवर्ष लाखों नवजात शिशु अकाल मृत्यु का शिकार हो जाते हैं उसे हम खुशहाल समाज कैसे कहेंगेए यह प्रत्येक देशवासी के लिए चिंतन और मंथन का विषय है। इसे केवल चर्चाए बयान और जाँच के नाम पर नहीं नकारा जा सकता। सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और तथा एनआरएचएम कार्यक्रम के तहत इस दिशा में सशक्त पहल जरूर की है जिसमें यूनीसेफ भी सहयोगी की भूमिका में है लेकिन इस प्रयास में जितने आर्थिक संसाधनों की दरकार है वे पर्याप्त नहीं है इसके लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। यूनीसेफ का कहना है कि शिशुओं की अकाल मौत के ज्यादातर मामले निम्न आय वर्ग के परिवारों में होते हैं जहां कुपोषण एशारीरिक दोष और मलिन वातावरण की समस्या बच्चे के जन्म से पहले ही मौजूद रहती है। ऐसे में अकेले सरकार के लिए इन स्थितियों को सुधारना मुमकिन नहीं हैए इसके लिए समाज के हर जिम्मेदार व्यक्ति को सहयोगी की भूमिका में आना होगा। बच्चे के लिए मां का दूध अमृत के समान है लेकिन स्तनपान ना कराने से बच्चे बीमार जल्दी हो जाते हैंए जिसके कारण नवजात शिशु में असमय काल के गाल में समा जाते हैं सही पोषण के अभाव में भी बच्चे दम तोड़ देते हैं। वहीं ग्रामीण इलाकों में प्रशिक्षित दाइयो के अभाव के कारण भी कई प्रकार की समस्याएं जन्म ले लेती है। नवजात शिशुओं का स्वास्थ्य माता के स्वास्थ्य से जुड़ा होता है इसलिए माँ को गर्भावस्था पूर्व से अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना चाहिए। महिलाओं के शरीर में में खून की होती हैए जिसके लिए गर्भावस्था पूर्व से ही उन्हें आयरन फॉलिक एसिड की गोली का सेवन करना चाहिएण। इसके साथ ही इस दौरान उन्हें आयरन युक्त आहार के सेवन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

गर्भावस्था के बाद प्रसव पूर्व जांचए टेटनस टीका भी गर्भवती महिला को लेना जरूरी होता है। प्रसव के बाद नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जन्म के 1 घंटे के भीतर स्तनपानए 6 माह तक केवल स्तनपानए कंगारू मदर केयरए शिशुओं के निमोनिया जांच एवं टीका उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है।

बागी एवं बगावती होते टिकट वंचित नेता

- ललित गर्ग-

पांच राज्यों के विधानसभा से पहले अनेक राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं के बीच बड़ी ऊंठापटक, खींचतान एवं चरित्रगत बदलाव देखने को मिल रहे हैं। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस ही आमने-सामने की स्थिति में है, लेकिन टिकट बंटवारे को लेकर इन दोनों ही दलों में दोनों ही राज्यों में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। दोनों ही दलों में अपने आपको पार्टी का सर्वेसर्वा मानने वाले नेताओं की इस बार टिकट बंटवारे में दाल नहीं गली और वे अपने चेहतों को टिकट देने में नाकाम साबित हुए, जिससे दोनों ही दलों में भारी असंतोष एवं विद्रोह देखने को मिल रहा है। प्रदेश के शीर्ष नेताओं को भी टिकट न मिलने से बागी एवं बगावती स्वर उभर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि क्या अब चुनाव का टिकट पाना या उसका कटना ही नेताओं के जीवन-मरण का प्रश्न बन गया है? क्या पार्टी के प्रति बफादारी का गुब्बारा एक टिकट न मिलने की सूई से ही हवा शून्य हो गया है? एक प्रश्न और है कि टिकट क्या किन्ही नेताओं की बपौती है, फिर बाकी कार्यकताओं का क्या वजूद है जो सालों से पार्टी के लिये जी-जान लगाये होते है? क्या राजनीति अब सबसे ज्यादा लाभ और रौब का धंधा बन चुकी है? लोकतंत्र में जब मूल्य एवं सिद्धान्त कमजोर हो जाते है और सिर्फ निजी हैसियत को ऊंचा करना ही महत्वपूर्ण हो जाता है वह लोकतंत्र निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है।

अफसोस, कि जिस जन की सेवा के लिए चुनाव टिकट रूपी एंट्री पास तैयार किया गया है, वह ह्यजनह्न पहले भी हतप्रभ था, आज भी है और शायद आगे भी रहेगा। क्योंकि आम मतदाता तो पहले भी ठगा जाता था, गुमराह किया जाता था। आज भी उसके साथ यही हो रहा है? टिकट की दौड़ के लिये सक्रिय होने एवं पांच साल में केवल चुनाव के समय नजर आने वाले उम्मीदवारों को दोनों पार्टियों ने टिकट न देकर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। राजनीति में ऐसे ही साहसिक एवं अभिनव प्रयोग की अपेक्षा है, ताकि राजनीति में प्रतिनिधित्व की पात्रता किन्हीं सीमित हाथों से बाहर आये एवं नये चेहरों को अपना हूनर दिखाने का अवसर मिले। राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन के

आखिरी दिन अनेक चेहरों को निराशा हाथ लगी है। भाजपा की आखिरी लिस्ट आ चुकी है, लेकिन इस लिस्ट में केंद्रीय नेतृत्व ने वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया है। भाजपा ने इस बार वसुंधरा राजे के कई समर्थकों के टिकट काट दिए हैं। इनमें अशोक परनामी, अरूण चतुर्वेदी प्रमुख है और दोनों नेता ऐसे है जो पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष भी रह चुके है। इनके साथ ही पूर्व मंत्री एवं राजे के खास यूनुस खान का भी टिकट काट दिया गया है। राजपाल सिंह शेखावत और राव राजेन्द्र का टिकट भी पार्टी ने काट दिया है। कांग्रेस में भी ऐसे अनेक महत्वपूर्ण चेहरों को निराशा हाथ लगी है। टिकट न मिलने से पार्टी के इन वफादार सैनिकों के स्वरों में भी बगावत देखने को मिल रही है। निश्चित ही दोनों ही दलों में टिकट बंटवारे में आजमाये इन नये प्रयोगों का व्यापक असर देखने को मिलेगा। राजस्थान के अनेक राजनीतिक विश्लेषकों से चर्चा से यह तथ्य भी सामने आया है कि दलों में हो रहे इन बदलावों का नकारात्मक ही नहीं, सकारात्मक परिणाम भी सामने आयेगा।

चुनाव के समय राजनीतिक दलों में टिकट वितरण को लेकर असंतोष होना स्वाभाविक है। जो राजनीतिक कार्यकर्ता वर्षो मेहनत करे और टिकट वितरण के समय उसे दरकिनार कर दूसरे या किसी आयातित व्यक्ति को टिकट दे दिया जाए तो राजनीति में निष्ठा और समर्पण का पैमाना अपने आप ध्वस्त होने लगता है। वैसे भी हर पार्टी में एक सीट पर टिकट के एक से अधिक आकांक्षी होते हैं। दलों की संवैधानिक मयार्दा एवं सीमाएं हैं कि वे चुनाव में किसी एक को ही टिकट दे सकती हैं। ऐसे में बाकी को या तो पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार का समर्थन करना होगा या फिर दूसरे किसी दल से टिकट लेकर अथवा निर्दलीय चुनाव में खड़ा होना होगा। टिकट न मिलने वालों को अपनी नाराजगी प्रकट करने का अधिकार है, वे चाहे तो पार्टी हाई कमान और टिकट वितरणकताओं के सामने खुलकर अपनी नाराजगी का प्रदर्शन कर मन को हल्का करे या अनैतिक विकल्प के तौर पर पार्टी में रहकर ही भीतरघात कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हरवाकर अपनी उपेक्षा का बदला ले और अगले चुनाव में अपनी उम्मीदवारी का खाता खुला रखे। राजस्थान में ऐसे ही सीन बन रहे हैं, अब विरोध के प्राचीन तरीकों जैसे कि नारेबाजी, धरना प्रदर्शन से मीलों आगे जाकर शीर्ष नेताओं के घरों के सामने आत्मदाह करने, पार्टी दफ्तरों पर हमले, नेताओं के कपड़े फाड़ने, हाथापाई, सामूहिक इस्तीफे और टिकट कटने के बाद मातमी अंदाज में जार-जार आंसू बहाने की स्थितियां समाप्त हो गयी है।

अब तो पार्टियों में विरोध प्रदर्शन का सबसे सशक्त हथियार निर्दलीय चुनाव लड़ना या भीतरघात करना ही देखने को मिल रहा है। मानो सभी दलों में अनुशासनहीनता और अराजकता की एक अघोषित स्पर्द्धा चल रही हो, जिसमें हर असंतुष्ट अपने गिरोह के साथ दूसरे को पीछे छोड़ने की दबंगई में लगा है।

प्रचेता

सूर्य आकाश में चमककर करता उपकार,
शोभा से होकर मंडित पाता सत्कार,
हर्ष से युद्ध में जाने वाला हर शूर,
सुनीति का आदर करने में मशहूर,
जल भरे सरोवर की तरह उपयोगी,
धन को सही व्यय करने में उद्योगी,
वेद उपनिषद गीता का वह वेत्ता,
संसार का उपकार करने वाला है प्रचेता।
सन्मार्गी ही संतानों को कुमार्ग से बचाता,
अजगर जैसे प्राण खींच प्राणी खा जाता,
विद्वान संतानों को तीन क्लेश से बचाता,
चतुर धनुधारी बाण लक्ष्य पर पहुंचाता,
करके प्रजा की सेवा न्यायकारी कहलाता,
सर्वहितकारी उत्तम गुणों को बतलाता,
तेज ऐश्वर्य से परिपूर्ण सब कुछ देता,
संसार का उपकार करने वाला है प्रचेता।
शीघ्र स्वभाव वाला होता सुखदाई,
स्वार्थ की नहीं छूती तनिक परछाई,
सबके लिए साबित होता दिव्य दूत,
औरों से हटकर दिखाता सबूत,
सबका सहाई रखकर धर्म व्यवहार,
सीख लेते जिंदगी जीने का सार,
सबकी सहमति से बनता है नेता
संसार का उपकार करने वाला है प्रचेता।
जो किसी समस्या से नहीं घबराता,
जिसे दुख कभी नहीं सताता,
ज्ञान का अथाह है स्रोत,
हर रहस्य से वह ओत -प्रोत,
आलस्य नहीं कदापि झलकता,
उचित कार्य समय पर फलता,
जो समय की महत्ता जाने वही विजेता,
संसार का उपकार करने वाला है प्रचेता।

- डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

बुल्गारिया का आकाश हुआ लाल, लोगों ने बताया 'डरावना'

सोफिया। पहली बार बाल्कन देश बुल्गारिया के आसमान में 'अरोरा बोरयेलिस' की घटना घटी, जिसे 'उत्तरी रोशनी' के नाम से भी जाना जाता है। इसके चलते बुल्गारिया का आसमान लाल रंग में रंग गया। यह घटना शाम में हुई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। लोग इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, कुछ लोग इसे

डरावना और विनाशकारी बता रहे हैं तो कुछ इस प्राकृतिक घटना की सुंदरता पर मोहित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये अरोरा बोरयेलिस की घटना बुल्गारिया के साथ ही रोमानिया, हंगरी, चेक रिपब्लिक और यूक्रेन के आसमान में भी दिखाई दी। पोलैंड और स्लोवाकिया के आसमान में भी शनिवार को अरोरा बोरयेलिस की घटना देखी गई थी। इस दौरान ब्रिटेन और स्लोवाकिया का आसमान चमकदार हरे रंग में रंग गया था। इस साल की शुरुआत में भारत में भी यह प्राकृतिक घटना घटी थी, जब लद्दाख का आसमान जगमग हो उठा था।

रेडियो प्रसारक की गोली मारकर हत्या, घटना कैमरे में कैद; 17 महीने में चौथे पत्रकार का मर्डर

मलीना। फिलिपींस में मारे गए पत्रकारों की लंबी सूची में एक और नाम जुड़ गया है। एक रेडिया प्रसारक की उसके स्टूडियो में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। कैलाम्बा नगरपालिका के पुलिस प्रमुख कैप्टन डिओरे रैगोनियो ने बताया कि 57 वर्षीय जुआन जुमालोन, 94.7 गोल्ड एफएम कैलाम्बा स्टेशन पर अपना सेबुआनो भाषा का शो करते थे। उन्हें 'डीजे जॉनी वॉकर' के नाम से भी जाना जाता है। मिंडानाओ के दक्षिणी द्वीप पर स्थित अपने घर में बने स्टूडियो में जुमालन मौजूद थे, जब एक बंदूकधारी ने उनके सिर में गोली मार दी।

हमलावर भागने में रहा सफल

पुलिस अधिकारी ने बताया कि बंदूकधारी ने जुमालोन से ऑन-एयर एक घोषणा करने की बात कही थी, जिसके बाद उन्होंने आरोपी को स्टूडियों में आने दिया। बाद में हमलावर ने दो बार गोली मारी और उनके गले से सोने की चेन छिनकर भाग गया। यह पूरी घटना स्टूडियो में लगे कैमरा में रिकॉर्ड हो गई।

हत्या के मकसद की जांच जारी

मीडिया सुरक्षा पर राष्ट्रपति टास्क फोर्स के प्रमुख पॉल गुटिरेज ने कहा कि फिलहाल हत्या करने की वजह नहीं पता चली है। पुलिस जांच कर रही है।

जल्द से जल्द कटघरे में लाने का आदेश

राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस ने हत्या की निंदा की है। उन्होंने अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ने का आदेश दिया है। मार्कोस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'हमारे लोकतंत्र में पत्रकारों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और जो लोग प्रेस की स्वतंत्रता को खतरे में डालते हैं, उन्हें अपनी हरकतों का परिणाम भुगतना पड़ेगा।

कनाडा के क्यूबेक में सार्वजनिक क्षेत्र के हजारों कर्मचारी करेंगे हड़ताल

मलीना। खालिस्तान आंदोलन को हवा दे रहे कनाडा खुद विभाजन के कगार पर खड़ा है। इसके सबसे बड़े प्रांत क्यूबेक (जिसे अलग देश बनाने की मांग तीव्र हो रही है) में सरकार द्वारा वेतन प्रस्ताव अस्वीकार करने के बाद,सीएसएन, सीएसक्यू, एफटीक्यू और एपीटीएस यूनियनों वाले कॉमन फ्रंट ऑफ यूनियंस (द फ्रंट कम्यून) द्वारा हड़ताल की जा रही है। इस दौरान आवश्यक सेवा नियमों के कारण स्वास्थ्य सेवाएं 80 प्रतिशत क्षमता पर चलेंगी। सूत्रों के अनुसार, विभिन्न यूनियनों का संयुक्त मोर्चा लगभग 420,000 लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। हालांकि द फ्रंट कम्यून के आयोजकों ने इस संबंध में किसी प्रदर्शन की घोषणा नहीं की है, लेकिन राज्य भर के प्रमुख शहरों में विरोध प्रदर्शन संभव है। संभावित सभा स्थलों में क्यूबेक ट्रेजरी बोर्ड के सामने और अन्य सरकारी इमारतें और मुख्य मार्ग शामिल हैं। द फ्रंट कम्यून के नेताओं ने कहा कि उनकी प्रस्तावित हड़ताल स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं, प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों, स्कूल बस सेवाओं और सार्वजनिक वित्त पोषित कॉलेजों को बाधित कर सकती है। इस बीच शिक्षक भी हड़ताल में शामिल होंगे।

रूस का परमाणु पनडुब्बी से अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण

मास्को। रूसी सेना ने यूक्रेन में जारी युद्ध के साथ रूस और पश्चिमी देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच नई परमाणु पनडुब्बी (न्यूक्लियर सबमरीन) इंपीरेटर अलेक्जेंडर-3 से न्यूक्लर वारहेड ले जाने में सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

पिछले हफ्ते ही राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वैश्विक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध के रूस के अनुसमर्थन को रद्द करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर किया था। मास्को ने कहा कि अमेरिका के साथ समानता स्थापित करने की आवश्यकता थी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इंपीरेटर

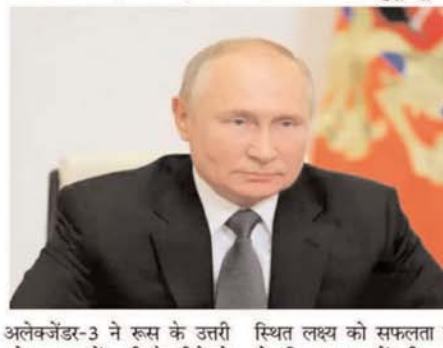

अलेक्जेंडर-3 ने रूस के उत्तरी श्वेत सागर में पानी के नीचे से बुलावा मिसाइल दागी। इसने कामचटका के सुदूर-पूर्वी क्षेत्र स्थित लक्ष्य को सफलता पूर्वक भेद दिया। बयान में परीक्षण कब किया गया था इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

इंपीरेटर अलेक्जेंडर-3 नई बोरेई श्रेणी की परमाणु सबमरीन (पनडुब्बी) में से एक है, जो 16 बुलावा मिसाइलें ले जा सकती हैं।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बैलिस्टिक मिसाइल लांच अंतिम परीक्षण था, जिसके बाद इसे बेड़े में शामिल करने पर निर्णय लिया जाना है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी नौसेना के पास वर्तमान में तीन बोरेई श्रेणी की सबमरीन सेवा में हैं। एक अन्य का परीक्षण पूरा हो रहा है और तीन अन्य निर्माणाधीन हैं।

हैम्बर्ग हवाईअड्डे पर परिचालन बहाल, कार से गेट तोड़ने वाले ने किया समर्पण, बच्ची सुरक्षित

फ्रैंकफर्ट। जर्मनी के हैम्बर्ग हवाई अड्डे पर गतिरोध समाप्त होने के साथ परिचालन को बहाल कर दिया गया है। इसके साथ कार से गेट तोड़कर बच्ची के साथ घुसे व्यक्ति ने समर्पण कर दिया है। बच्ची को पिता के कब्जे से सुरक्षित छुड़ा लिया गया है। पुलिस ने बताया कि शख्स की ओर से किसी भी तरह का प्रतिरोध नहीं किया। उसके कार से बाहर आने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बच्ची को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा है। पुलिस को शक है कि बच्ची के अधिकार को लेकर कोई विवाद है। घटना के बाद अधिकारियों को एयरपोर्ट पर सेवाएं बंद करने को मजबूर होना पड़ा था।

दरअसल, शनिवार की रात एक 35 वर्षीय व्यक्ति कार लेकर हवाई अड्डे का गेट तोड़ते हुए अंदर प्रवेश कर गया था। उसमें उसकी चार वर्षीय बच्ची भी मौजूद थी। अधिकारियों को शुरुआत में शक था कि उसके पास हथियार और विस्फोटक मौजूद हैं। हवाईअड्डा प्रशासन ने कहा कि यथाशीघ्र परिचालन फिर से शुरू करने के लिए काम किया जा रहा है। पहले रविवार को लगभग 34,500 यात्रियों के साथ कुल 286 उड़ानें निर्धारित की गई थीं। हैम्बर्ग के मेयर पीटरशेंचर ने एक्स पोस्ट में कहा है कि मैं कामना करता हूं कि मां, बच्ची और उसके परिवार को इस भयानक अनुभव से निपटने की शक्ति मिले। जलवायु कार्यकर्ताओं के रनवे पर आने और विमानों को रोकने के चार महीने से भी कम समय में इस प्रकरण ने हवाई अड्डे पर सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

इजराइली मंत्री के गाजा पर परमाणु बम गिराने के विकल्प को नेतन्याहू ने किया खारिज

यरूशलम। गाजा पट्टी पर परमाणु बम गिराने के इजराइल सरकार में दक्षिणपंथी ओत्जामा यहूदित पार्टी के एक मंत्री के बयान को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खारिज करते हुए उन्हें सरकारी बैठकों से अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया है।

यरूशलम मामलों एवं विरासत मंत्री अमिचाई इलियाहू ने एक साक्षात्कार में कहा, गाजा में ऐसा कोई नहीं है जो लड़ाई में शामिल नहीं है'', ऐसे में इलाके में मानवीय सहायता मुहैया करना 'एक विफलता' होगी। उनके अनुसार गाजा में सभी लड़ाके हैं ऐसे में गाजा पट्टी पर परमाणु हमला ''एक विकल्प'' है। उन्होंने कहा कि इसके लिए 'यही एक तरीका है। उनकी इस टिप्पणी पर सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष, दोनों ही नाराज हो गए और विपक्ष ने उन्हें सरकार से बाहर करने की मांग की। इस नाराजगी के बाद इलियाहू अपने बयान से पीछे हट गये और उन्होंने इसे 'अतिश्योक्तिपूर्ण' टिप्पणी बताया। उन्होंने कहा, यह सोचने-समझने वाले सभी लोगों के लिए स्पष्ट है कि परमाणु (बम) के बारे में यह टिप्पणी महज एक अतिश्योक्ति है। हमें वाकई आतंक के प्रति जबर्दस्त जवाबी कार्रवाई दिखाने की जरूरत है जिससे नाजियों व उनके समर्थकों को स्पष्ट हो जाए कि आतंकवाद निरर्थक है। उन्होंने कहा, साथ ही, यह भी स्पष्ट है कि इजराइल बंधकों को जिंदा व ठीकठाक

स्थिति में वापस लाने के दायित्व से आबद्ध है। इस बीच, प्रधानमंत्री ने इलियाहू को अनिश्चितकाल के लिए सरकारी बैठकों से निलंबित कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी। उसने कहा कि इलियाहू युद्ध संबंधी निर्णय लेने वाली मंत्रिमंडल की सुरक्षा संबंधी समिति का हिस्सा नहीं हैं। नेतन्याहू ने इस टिप्पणी को 'सच से परे' बताया।प्रधानमंत्री ने कहा, इजराइल और आईडीएफ (इजराइल डिफेंस फोर्सेज) यह सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के उच्च मानदंडों के अनुसार कार्रवाई कर रहे हैं कि बेगुनाह लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचे। हम जीत सुनिश्चित करने तक ऐसा करते रहेंगे।

रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इलियाहू के बयान को 'बेबुनियाद' करार दिया और कहा कि यह 'अच्छा है कि ये लोग इजराइल की सुरक्षा संभालने वाले लोग नहीं हैं। विपक्षी नेता याइर लापिद ने इलियाहू के बयान को एक गैर जिम्मेदार मंत्री का 'भयावह एवं उन्मादी' बयान बताया। इस बीच, सऊदी अरब ने भी इलियाहू के 'अतिवादी' सुझाव की निंदा की। बताया जाता है कि अमेरिका की मध्यस्थता से सऊदी अरब संबंधों को सामान्य करने के लिए इजराइल के साथ वार्ता कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस खाड़ी देश के विदेश मंत्रालय ने कहा कि मंत्री का बयान ''दर्शाता है कि इजराइल सरकार की सोच में किस हद तक चरमपंथी और क्रूरता आ गई है।

नेपाल के भूकंप पीड़ितों के लिए भारत ने भेजी राहत सामग्री, उपप्रधानमंत्री ने जताया आभार

काठमांडू। नेपाल के जाजरकोट और रूकुम पश्चिम के भूकंप प्रभावित लोगों की मदद के लिए भारत सरकार ने 11 टन सामान भेजा है। राहत सामग्री

लेकर भारतीय वायुसेना का विशेष विमान रविवार को नेपालगंज विमानस्थल पर पहुंचा।

भारत सरकार की तरफ से भेजी गई राहत सामग्री नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने उपप्रधानमंत्री पूर्ण बहादुर खड़का को सौंपी। राहत सामग्री ग्रहण करते हुए खड़का ने भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संकट के समय भारत की तरफ से भेजी गई यह राहत सामग्री भूकंप पीड़ितों के लिए काफी मददगार साबित होगी। भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने कहा कि आज भारत की तरफ से आवश्यक राहत सामग्रियों की पहली खेप आई है। 11 टन से अधिक की सामग्री में टेंट, दवाईयों के अलावा दैनिक उपयोग की वस्तुएं हैं। भारतीय राजदूत ने कहा कि कल दूसरी खेप आएगी, जिसमें खाद्य सामग्री और अन्य वस्तुएं होंगी।

पाकिस्तान से साढ़े छह हजार अफगानी वापस भेजे, अब तक कुल आकंड़ा 1,70,000 के पार

यरूशलम। पाकिस्तान ने साढ़े छह हजार से ज्यादा अवैध अफगानियों को निर्वासित किया। ये अफगानी नागरिक तोरखाम बॉर्डर से अफगानिस्तान पहुंचे। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया कि अब तक कुल 1,70,000 अफगानी नागरिक, जो अवैध रूप से पाकिस्तान में रह रहे थे, उन्हें वापस अफगानिस्तान भेजा जा चुका है। बता दें कि पाकिस्तान में लाखों की संख्या में अवैध अफगानी रह रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तानी सरकार ने बीते दिनों वापस अफगानिस्तान जाने का अल्टीमेटम दे दिया है।

कैदियों को किया जा रहा निर्वासित

पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार, 17 सितंबर से अब तक कुल 1,74,358 अफगानी नागरिकों को वापस भेजा जा चुका है। स्वेच्छा से जाने वाले अफगानियों के लिए एक नवंबर तक की समय सीमा तय की गई थी लेकिन अभी भी लोगों को स्वेच्छा से वापस जाने की छूट है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार,

रविवार को ही 6584 अफगानी नागरिक पाकिस्तान छोड़कर चले गए, जिनमें बच्चे, महिलाएं भी शामिल हैं। इससे पहले शनिवार को पाकिस्तानी पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की जेलों से 209 कैदियों को निर्वासित किया गया। अब तक पाकिस्तान छोड़कर गए अफगानियों में 46,936 पुरुष, 35,507 महिलाएं और 85,331 बच्चे शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने की आलोचना

जो अफगानी पाकिस्तान में रह रहे हैं और अपराधिक घटनाओं में शामिल हैं, उन्हें भी अफगानिस्तान निर्वासित किया जा रहा है। 1 नवंबर को 500 कैदियों को निर्वासित किया गया। शनिवार को 700 अफगानी चमन बॉर्डर से अफगानिस्तान लौट गए। वहीं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने अफगानियों को निर्वासित करने

बता दें कि पाकिस्तान में लाखों की संख्या में अवैध अफगानी रह रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तानी सरकार ने बीते दिनों वापस अफगानिस्तान जाने का अल्टीमेटम दे दिया है।

के लिए पाकिस्तान सरकार की आलोचना कर रही हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि अफगानिस्तान लौटे लोग खुले में सोने के लिए मजबूर हैं और उनके पानी और भोजन की भी समुचित व्यवस्था नहीं है।

देश के एक और दुश्मन की मौत:जम्मू में आर्मी कैंप पर हमले के मास्टरमाइंड की मिली सिर कटी लाश

मुजफ्फराबाद। हाल के समय में भारत के कई दुश्मनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। अब खबर आयी है कि साल 2018 में जम्मू में आर्मी कैंप पर हमले का मास्टरमाइंड पीओके में उसके घर में मृत पाया गया है। मृतक की पहचान ख्वाजा शाहिद के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ख्वाजा शाहिद की सिर कटी लाश मिली है। कुछ दिन पहले ख्वाजा शाहिद को अगवा किया गया था।

लश्कर ए तैयबा का कमांडर था मृतक

मृत पाया गया आतंकी लश्कर ए तैयबा का कमांडर था और साल 2018 में जम्मू के सुंजवान स्थित सेना के कैंप पर हमले के मास्टरमाइंड में से एक था। इस हमले में आतंकियों ने एके-47 राइफल्स, ग्रेनेड के साथ आर्मी कैंप पर हमला किया था, जिसमें सेना के छह जवान शहीद हो गए थे। ख्वाजा शाहिद उर्फ

मियां मुजाहिद पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नीलम घाटी का निवासी था। ख्वाजा शाहिद को हाल ही में अज्ञात बंदूकधारियों ने अगवा किया था, जिसके बाद से ख्वाजा शाहिद का कुछ पता नहीं चल रहा था। पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई ख्वाजा शाहिद का पता लगाने की कोशिशों में जुटीं थी कि अब उसकी लाश मिली है।

चुन-चुनकर मारे जा रहे देश के दुश्मन

बता दें कि देश के दुश्मनों को विदेशों में चुन-चुनकर मारा जा रहा है। हाल के समय में कई आतंकियों को अज्ञात लोगों ने विदेशी जमीन पर निशाना बनाया है। इनमें भारत में मोस्ट वांटेड शाहिद लतीफ, कैसर फारूख, जैश ए मोहम्मद आतंकी जहूर इब्राहिम उर्फ जाहिद अखुंद समेत कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर और पाकिस्तान में खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह संधू की हत्याएं हुई हैं। सभी मामलों में हमलावरों का पता नहीं चल सका है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते 20 महीनों में भारत विरोधी 18 आतंकी अलग-अलग वजहों से मारे गए हैं। बीते महीने ही जैश ए मोहम्मद के करीबी सहयोगी दाउद मलिक की उत्तरी वजीरिस्तान में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

आतंकियों की इस तरह मौतों से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी भी सकते में है और ऐसी खबरें हैं कि आईएसआई ने अपने गुर्गों को लेकर सतर्क हो गई है और कई की लोकेशन बदली गई है।

इस्राइल पर ईरान-हिज्बुल्ला के हमले का खतरा, अमेरिका ने पश्चिम एशिया में भेजी परमाणु पनडुब्बी

वाशिंगटन। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष को अब एक महीने पूरे होने वाले हैं। हालांकि, इस बीच दोनों तरफ से हमले जारी हैं। जहां इस्राइल में हमास के हमले में अब तक 1400 से ज्यादा की मौत हुई है, वहीं गाजा पट्टी में इस्राइली सेना के पलटवार में करीब 10 हजार की जान जा चुकी है। इस बीच इस्राइल पर लेबनान के ईरान समर्थित संगठन- हिजबुल्ला की तरफ से हमले का खतरा बढ़ता जा रहा है। खुद ईरान भी कई मौकों पर इस्राइल को अंजाम भुगतने की चेतावनी दे चुका है। इन हालात के मद्देनजर अमेरिका ने एलान किया है कि उसने अपनी एक परमाणु पनडुब्बी पश्चिमी एशिया में उतार दी है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उसकी एक ओहायो क्लास सबमरीन पांच नवंबर को ही

कमान के जिम्मेदारी वाले इलाके में उतर चुकी है। सेंट्रल कमांड ने इस पोस्ट में एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें सबमरीन को मिस्र के काहिरा में स्थित अल-सलाम ब्रिज के नीचे से गुजरते देखा जा सकता है।

सीएनएन के मुताबिक, पश्चिमी एशिया में गाइडेड मिसाइल सबमरीन भेजी गई है। माना जा रहा है कि अमेरिका अपने इस कदम के जरिए ईरान और उसके समर्थित संगठनों को इस्राइल-हमास संघर्ष में न कूदने की सीधी चेतावनी दे रहा है। गौरतलब है कि अमेरिक ने पहले ही कुछ युद्धपोतों को पश्चिमी एशिया भेजा है। इनमें दो कैरियर स्ट्राइक और एक समुद्री समूह शामिल है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च 2011 के बाद यह पहली बार है जब किसी गाइडेड मिसाइल सबमरीन को संघर्ष की स्थिति में

इस बीच इस्राइल पर लेबनान के ईरान समर्थित संगठन- हिजबुल्ला की तरफ से हमले का खतरा बढ़ता जा रहा है। खुद ईरान भी कई मौकों पर इस्राइल को अंजाम भुगतने की चेतावनी दे चुका है।

उतारा गया हो। 2011 में गाइडेड मिसाइल सबमरीन यूएसएस फ्लोरिडा ने लीबिया में ऑपरेशन ओडीसी डॉन के दौरान लीबिया में कई टारगेट पर 100 से ज्यादा टॉमहॉक मिसाइलें दागी थीं।

जिस एयरबेस पर अमेरिकी सैनिकों का ठिकाना, वहां फलस्तीन समर्थकों ने बोला धावा, पुलिस से भिड़े उपद्रवी

वाशिंगटन। इस्राइल और हमास के बीच जारी युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार एक-दूसरे पर रॉकेट दागे जा रहे हैं। इस्राइली सेना ने हमास के एक एक आतंकी को खत्म करने का संकल्प लिया। वहीं, अमेरिका इस्राइल के साथ डटकर खड़ा है। इसकी वजह से उसके विरोध में जमकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच, गाजा पर वार्ता के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के अंकारा पहुंचने से कुछ घंटे पहले, रविवार को फलस्तीन समर्थक लोगों ने अमेरिकी एयरबेस पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि, तुर्किए पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए आंसू गैस और पानी की बौछार का इस्तेमाल कर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया।

बढ़ता जा रहा मानवीय संकट

हमास-इस्राइल युद्ध में करीब 11 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। गाजा में मरने वालों का आंकड़ा बहुत ज्यादा है। ऐसे में, यहां मानवीय संकट बढ़ता जा रहा है। गाजा में मानवीय संकट बदतर होने के कारण तुर्किए लगातार इस्राइल की तीखी आलोचना कर रहा है और दूसरी तरफ वह हमास के सदस्यों की मेजबानी करते हुए टू-स्टेट सॉल्यूशन का समर्थन कर रहा है। गौरतलब है, इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से तुर्किए में बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

इंसर्लिक एयरबेस पर भीड़ जमा

इस सप्ताह की शुरुआत में, आईएचएच ह्यूमैनिटेरियन रिलीफ फाउंडेशन ने अमेरिका द्वारा इस्राइल का समर्थन करने का विरोध जताने के लिए दक्षिणी तुर्किए के अदाना प्रांत में इंसर्लिक एयरबेस पर भीड़ को जमा किया। दरअसल, इंसर्लिक एयरबेस का इस्तेमाल सीरिया और इराक में इस्लामिक स्टेट से लड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय गठबंधन को मदद देने के लिए किया जाता है। इसमें अमेरिकी सैनिक भी शामिल हैं। एयरबेस के बाहर जुटी भीड़ फलस्तीनी झंडे लहराती और नारे लगाती दिखी। इतना ही नहीं, उपद्रवियों ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को गिरा दिए और उनसे भिड़ गई। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर प्लास्टिक की कुर्सियां, पत्थर और अन्य सामान भी फेंका। बिगड़ते हालात को देखकर पुलिस ने आंसू गैस छोड़ने का फैसला लिया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े, साथ ही पानी की बौछार भी की।

विलुप्ति के कगार पर पर्यावरण मित्र

गिद्ध शिकारी पक्षियों के अंतर्गत आनेवाले मुर्दाखोर पक्षी हैं, जिन्हें गृद्ध कुल (Family Vulturidae) में एकत्र किया गया है। ये सब पक्षी दो भागों में बांटे जा सकते हैं। पहले भाग में अमरीका के कॉण्डर, किंग वल्चर, कैलिफोर्नियन वल्चर, टर्की बजर्ड और अमरीकी ब्लैक वल्चर होते हैं और दूसरे भाग में अफ्रीका और एशिया के राजगृद्ध, काला गिद्ध, चमर गिद्ध, बड़ा गिद्ध और गोबर गिद्ध मुख्य हैं। ये कत्थई और काले रंग के भारी कद के पक्षी हैं, जिनकी दृष्टि बहुत तेज होती है। शिकारी पक्षियों की तरह इनकी चोंच भी टेढ़ी और मजबूत होती है, लेकिन इनके पंजे और नाखून उनके जैसे तेज और मजबूत नहीं होते। ये झुंडों में रहने वाले मुर्दाखोर पक्षी हैं, जिनसे कोई भी गंदी और घिनौनी चीज खाने से नहीं बचती। ये पक्षियों के सफाईकर्मी हैं, जो सफाई जैसा आवश्यक काम करके बीमारी नहीं फैलने देते।

पारिस्थितिकी तंत्र में हर पशु पक्षी का अपना स्थान और अपना महत्व है। किसी भी प्रजाति की बहुलता या किसी की विलुप्तता दोनों ही दीर्घकालिक तौर पर इस तंत्र को नुकसान पहुंचाती है। ऐसा ही एक पक्षी है गिद्ध जो आज विलुप्तता की कगार पर खड़ा है। खुले आसमान में बड़े-बड़े डैने फैलाकर उड़ान भरने वाला गिद्ध कभी गांव या शहरों के सड़क किनारे सड़े हुए पशुओं का मांस खाने को आतुर गिद्ध का झुंड बच्चों को हवाई जहाज से कम नहीं दिखता था। उनकी वजह से आसपास का वातावरण दुर्गंध मुक्त था। चंद घंटों में सड़ी-गली लाशों को चट करने की अद्भुत शक्ति थी। गिद्धराज पर्यावरण के सफाईकर्मी के रूप में वातावरण की शुद्धता व संतुलन को बनाए रखता था। कई ऐसी किवदंतियां हैं, जिसमें गिद्धों को आध्यात्मिक व पर्यावरण का हितैषी बताया गया है। पर्यावरण का यह हितैषी एवं सफाईकर्मी अलग-अलग देशों में कई रूप-रंगों में पाया जाता है। इन सभी तथ्यों के बावजूद आज जो बात जमीनी स्तर पर खड़ी है वह यह कि यह प्राकृतिक रूप से लाभकारी पक्षी अपनी विलुप्तता के कगार पर खड़ा है। दक्षिणी एशिया में गिद्ध की तीन प्रजातियां 97 प्रतिशत तक विलुप्त हो चुकी हैं, वहीं एक प्रजाति तो 99.9 प्रतिशत तक विलुप्त हो चुकी है। गिद्धों की विलुप्तता की प्रक्रिया डोडो समेत बहुत सी जंगली पक्षियों से ज्यादा तेजी से हुई है। भारत में इनकी 9 प्रकार की प्रजातियां हैं। डेढ़ से दो दशक में गिद्धों की संख्या 97 प्रतिशत नष्ट हो गयी है। 20 वर्ष पहले तक भारत में गिद्धों की संख्या लगभग 9 .5 लाख थी। अब उनकी संख्या मात्र 3-4 हजार ही शेष रह गई है। गिद्धों की तीन प्रजातियां (व्हाइट बैक्ड, स्लेंडर बिल्ड, लॉग बिल्ड) तेजी से विलुप्त होती जा रही है। यह पर्यावरण के परिस्थितिकीय चक्र के लिए अशुभ संकेत है।

भारतीय गिद्ध पुरानी दुनिया का गिद्ध है जो नई दुनिया के गिद्धों से अपनी सूंघने की शक्ति में भिन्न हैं। यह मध्य और पश्चिमी से लेकर दक्षिणी भारत तक पाया जाता है। प्राय: यह जाति खड़ी चट्टानों के श्रृंग में अपना घोंसला बनाती है, परन्तु राजस्थान में यह अपना घोंसला पेड़ों पर बनाते हुए भी पाए गए हैं। अन्य गिद्धों की भांति यह भी अपमार्जक या मुर्दाखोर होता है और यह ऊंची उड़ान भरकर इंसानी आबादी के नजदीक या जंगलों में मुर्दा पशु को ढूंढ लेते हैं और उनका आहार करते हैं। इनके चक्षु बहुत तीक्ष्ण होते हैं और काफी ऊंचाई से यह अपना आहार ढूंढ लेते हैं। यह प्राय: समूह में रहते हैं। भारतीय गिद्ध का सिर गंजा होता है, उसके पंख बहुत चौड़े होते हैं तथा पूंछ के पर छोटे होते हैं। इसका वजन 5.5 से 6.3 किलो होता है। इसकी लंबाई 80-103 सेमी तथा पंख खोलने में 1.96 से 2.38 मी. की चौड़ाई होती है।आज भारतीय गिद्धों का प्रजनन बंदी हालत में किया जा रहा है। इसका कारण यह है कि खुले में यह विलुप्ति की कगार में पहुंच गए हैं। शायद इनकी संख्या बढ़ जाए। गिद्ध दीर्घायु होते हैं लेकिन प्रजनन में बहुत समय लगाते हैं। गिद्ध प्रजनन में 5 वर्ष की अवस्था में आते हैं। एक बार में एक से दो अण्डे पैदा करते हैं लेकिन अगर समय खराब हो तो एक ही चूजे को खिलाते हैं। यदि परभक्षी इनके अण्डे खा जाते हैं तो यह अगले साल तक प्रजनन नहीं करते हैं। यही कारण है कि भारतीय गिद्ध अभी भी अपनी आबादी बढ़ा नहीं पा रहा है।बुद्धिजीवियों का मानना है कि गिद्ध मुर्दाखोर है। विकृत शरीर को देखकर लोग डर जाते हैं। पर, यह प्राणी धरती पर पसरे सड़े-गले मांस को पचाने की विचित्र क्षमता रखता है। आज तो किसी जानवर की मौत हो जाए तो सड़क किनारे लोग लाश को फेंक देते हैं। पहले गांव में पशुओं की लाश ले जाने के लिए चर्मकार समुदाय आगे आता था, क्योंकि इनके आजीविका का आधार चमड़ा था। अब तो किसान/पशुपालक स्वयं लाशों को सड़क किनारे फेंकने लगे हैं। लाश को मिट्टी में दफनाने वालों की संख्या ना के बराबर है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से लाश सड़ेगी तो संक्रमण फैलेगा व हैजा, फेंफड़े आदि के रोग होंगे। ब्रिटेन के रॉयल सोसायटी के शोध में कहा गया है कि भारत में सरकार जरूर प्रतिबंध लगाया है, पर डायक्लोफेनिक की मार्केटिंग गांव-शहरों में खूब हो रही है। निरक्षरता व जागरूकता की कमी की वजह से गिद्धों का समुचित संरक्षण नहीं हो रहा है। जानकार मानते हैं कि पशु-पक्षी अभयारण्य संस्था को दुर्लभ पक्षियों की प्रजातियों को बचाने के लिए अभियान चलाना चाहिए। बच्चों के पाठ्यक्रम में पशु-पक्षियों को बचाने के लिए प्रेरणात्मक कहानी को शामिल करना चाहिए। ताकि आने वाली पीढ़ी कहानियों के जरिए दुर्लभ पक्षियों की ओर आकृष्ट होंगे और पर्यावरण को बचाने में अहम् भूमिका अदा करेंगे। जिस रफ्तार से परिस्थितिकीय चक्र बिगड़ रहा है, किसान खेतों में कीटनाशक प्रयोग कर रहे हैं व पशु चिकित्सक मवेशियों को दर्द दूर करने के बजाय प्रतिबंधित दवा चला रहे हैं, वह दिन दूर नहीं जब धरती संकटकाल से गुजरेगी। प्राणियों की सांसें थमने लगेंगी। समय रहते दुर्लभ पक्षियों के संरक्षण और उत्थान की जोरदार वकालत नहीं हुई तो गिद्धों को बचाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी होगा।

गिद्धों के बारे में जाना

चरजभरी बातें

गिद्ध एक ऐसी बदसूरत चिड़िया है जिसकी खानपान की आदतें पारिस्थितिकी तंत्र या ईको सिस्टम के लिए जरूरी हैं। हालांकि इसके लिए उसे श्रेय शायद ही दिया जाता है। खैर, गिद्ध के बारे में हम चाहें जैसी भी राय रखते हों, लेकिन उनके बारे में एक बात तो साफ है कि वो खतरे में हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत, नेपाल और पाकिस्तान में उनकी तादात में 95 प्रतिशत तक की कमी आई है और ऐसे ही रुझान पूरे अफ्रीका में देखे गए हैं। ये पक्षी जिन शवों को खाते हैं, उससे उनके शरीर में जहर पहुंच रहा है। कुछ लोग मानते हैं कि जानवरों को दी जाने वाली दवाओं के कारण ऐसा हो रहा है, जबकि दूसरे लोग मानते हैं कि नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे शिकार के कारण इनकी संख्या घट रही है। इनका शिकार इसलिए भी किया जा रहा है ताकि ये गैंडों और हाथियों की मौत के बारे में चेतावनी न दे सकें। साइमन थॉमसेट जैसे संरक्षणवादी इन पक्षियों की दुर्दशा को लेकर जागरुकता फैलाने का काम कर रहे हैं। वो गिद्धों के अनूठे गुणों को बताकर हमारे नजरिए को बदलने के लिए भी काम कर रहे हैं। आइए उनके ऐसे ही कुछ गुणों के बारे में जानते हैं।

बुलंद उड़ान

गिद्ध सबसे ऊंची उड़ान भरने वाला पक्षी है। इसकी सबसे ऊंची उड़ान को रूपेल्स वेंचर ने 1973 में आइवरी कोस्ट में 37,000 फीट की ऊंचाई पर रिकॉर्ड किया था, जब इसने एक हवाई जहाज को प्रभावित किया था। ये ऊंचाई एवरेस्ट (29,029 फीट) से काफी अधिक है और इतनी ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी से ज्यादातर दूसरे पक्षी मर जाते हैं। इसके बाद गिद्ध को लेकर हुए अध्ययनों से उनके हीमोग्लोबिन और ह्रदय की संरचना से संबंधित कई ऐसी विशेषताओं के बारे में पता चला, जिनके चलते वो असाधारण। वातावरण में भी सांस ले सकते हैं। गिद्ध भोजन की तलाश में एक बड़े इलाके पर नजर डालने के लिए अक्सर ऊंची उड़ान भरते हैं।

अफ्रीका के सबसे बड़े पेटू

अफ्रीका आने वाले प्रत्येक पर्यटक को लगता है कि जंगली जानवरों को खाने वालों में सबसे आगे शेर, हाइना, तेंदुए, चीते, जंगली कुत्ते और गीदड़ हैं, लेकिन ऐसा है नहीं। वो एक उदाहरण अफ्रीकी क्षेत्र सेरेंगेती का उदाहरण देते हैं, जहां एक अनुमान के मुताबिक हर साल मृत पशुओं का सड़ा मांस और कंकाल कुल चार करोड़ टन से अधिक होते हैं। मांसाहारी जीव (स्तनधारी) इसके केवल 36 प्रतिशत हिस्से को खा सकते हैं और बाकी गिद्धों के हिस्से में आता है। इस संसाधन के लिए जीवाणु और कीड़े गिद्धों से मुकाबला करते हैं, लेकिन इसके बावजूद गिद्ध ही सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। गिद्ध बीमारियों को फैलने से रोकने के साथ ही जंगली कुत्तों जैसे अन्य मुर्दाखोरों की संख्या को सीमित रखने में भी मददगार साबित होते हैं।

कोई सरहद न इन्हें रोके

गिद्ध अपने भोजन के लिए काफी अधिक दूरी तय कर सकते हैं। रूपेल्स वेंचर ने हाल में एक गिद्ध को तंजानिया स्थित अपने घोंसले से उड़ात भरते हुए केन्या के रास्ते सूडान और ईथोपिया तक सैर करते हुए कैमरे में कैद किया। शोधकर्ताओं के एक अंतरराष्ट्रीय दल ने पाया कि सूखे के दौरान केन्या के मसाई मारा रिजर्व से ये पक्षी जंगली हिरणों का पीछा करते हुए अपने भोजन की तलाश में दूसरे स्थानों तक जाते हैं। सीमाओं को पार करने की इस आदत के कारण इन पक्षियों को परेशानी भी उठानी पड़ती है। एक बात तो सऊदी अरब में स्थानीय मीडिया ने इन पक्षियों पर इसराइली जासूस होने का आरोप भी लगा दिया।

करामाती पेशाब

तुर्की के गिद्ध अपने पैरों पर पेशाब करते हैं और उनकी ये आदत आपको भले ही अच्छी न लगे, लेकिन वैज्ञानिकों का अनुमान है कि उनकी इस आदत से उन्हें बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। सड़े हुए मांस पर खड़े होने के कारण गिद्धों के पैरों में गंदगी लग जाती है और ऐसा अनुमान है कि गिद्धों के पेशाब में मौजूद अम्ल उनके पैरों को कीटाणुओं से मुक्त बनाने में मदद करता है।

असीमित विस्तार

दक्षिण अफ्रीकी केप गिद्ध एक सीध में करीब 1000 किलोमीटर तक की दूरी तय करने के लिए बिजली के विशाल खंभों का अनुसरण करते हैं। ऐसी मानवनिर्मित चीजों की मदद लेने के अपने जोखिम भी हैं। बिजली के खंभों पर ठहरने या घोंसला बनाने से तारों से चिपक जाने और करंट लगने का जोखिम रहता है. बिजली के तार निजी खेतों से भी गुजरते हैं और भोजन की तलाश में इन स्थानों पर घूमने के दौरान जहर की चपेट में आने की आशंका भी बनी रहती है।

विविधतापूर्ण खानपान

ये सही है कि गिद्धों को सड़ा हुआ मांस और मृत पशुओं को खाने के लिए जाना जाता है, लेकिन सभी गिद्ध केवल सड़ा हुआ मांस नहीं खाते हैं। जैसा कि नाम से ही जाहिर होता है पाम नट वल्चर (गिद्ध) कई तरह के अखरोट, अंजीर, मछली और कभी कभी पक्षियों को भी खाता है। कंकालों के मुकाबले इसे कीड़े और ताजा मांस पसंद है। गिद्धों की सबसे बड़ी अफ्रीकी प्रजाति लैप्पेट-फेस्ड वल्चर के पंख 2.9 मीटर तक चौड़े होते हैं और इसे मुर्गी के जिंदा बच्चे भोजन के रूप में अधिक पसंद हैं।

शब्दों की समस्या

दूर भगाओ शब्दकोश के साथ

दोस्तों, अक्सर पढ़ाई करते वक्त तुम्हारे सामने अंग्रेजी या हिन्दी के कई ऐसे शब्द आ जाते हैं, जिनका अर्थ तुम्हें पता नहीं होता। अगर कोई उस शब्द का सही अर्थ बताने वाला हो तब तो ठीक है, नहीं तो अर्थ का अनर्थ निकल जाता है। तुम्हारी पढ़ाई भी डिस्टर्ब होती है और तुम सही से समझ भी नहीं पाते। तुम्हारी इस समस्या का समाधान सिर्फ एक क्लिक पर चंद सेकेंड्स में हो जाएगा।

शब्दों का संसार है शब्दकोश वेबसाइट

शब्दकोश डॉटकॉम नामक वेबसाइट एक ऐसी वेबसाइट है, जहां तुम्हें हिन्दी या अंग्रेजी के सभी तरह के शब्दों का अर्थ एक क्लिक पर चंद सेकेंड में मिल जाएगा। इंग्लिश का कौन सा वर्ड नाउन, प्रोनाउन या वर्ब है, इसके बारे में भी उस वर्ड के साथ काफी स्पष्ट रूप से लिखा रहता है। इन सबके अलावा वर्ड के सिनोनिम्स (समानार्थक) और एंटोनिम्स (विपरीतार्थक) शब्द भी काफी आसानी से यहां पर उपलब्ध है।

शब्द के अनेक अर्थ मिलेंगे

अब अगली बार जब भी पढ़ाई करते हुए तुम्हें किसी शब्द का अर्थ समझ में नहीं आए या किसी शब्द का पर्यायवाची या विपरीतार्थक ढूंढ़ना हो या यह पता करना हो कि वह वर्ड नाउन, प्रोनाउन, वर्ब या एडजेक्टिव है तो देर मत करना। पापा या मम्मी के मोबाइल या लैपटॉप या कंप्यूटर पर इंटरनेट एक्सेस करना और इस वेबसाइट पर क्लिक कर अपनी समस्या का समाधान चुटकियों में हासिल कर लेना। यह वेबसाइट तुम बच्चों के साथ-साथ बड़ों के लिए भी काफी उपयोगी है। एक शब्द के अनेक समानार्थी शब्द होने से तुम्हारी वर्ड पावर भी काफी बढ़ती है। अब से अगर घर के बड़े कभी किसी वर्ड का अर्थ जानने में परेशान हो रहे हों तो तुम इस वेबसाइट से उनकी समस्या का समाधान कर सकते हो।

पढ़ाई में मददगार ये एप्स

दोस्तों, मोबाइल और टैब पर कई सारे ऐसे एप्लिकेशंस हैं, जो तुम्हारी पढ़ाई में बेहद मददगार साबित हो सकते हैं। फिर तुम्हें किसी की मदद की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। आओ जानें ऐसे ऐप्स के बारे में।

पापा के टैबलेट या मम्मा के स्मार्टफोन पर स्कूल से आते ही तुम ऐसे कब्जा जमाते हो जैसे कि तुम उसके बगैर कुछ कर ही नहीं सकते। हर दिन इस स्मार्टफोन पर नए-नए गेम्स के एप्लिकेशन (एप्स) डाउनलोड करना और उन पर घंटों माथापच्ची करना तो जैसे तुम्हारी आदतों में शुमार हो गया है। न जाने कितने सारे गेम्स के एप्स हर दिन तुम डाउनलोड करते हो। तुम्हें पता है, स्मार्टफोन की इसी दुनिया में कई सारे ऐसे भी एप्लिकेशन हैं, जो तुम्हारी सभी समस्याओं का समाधान करते हुए तुम्हारी स्टडी में भी काफी मदद कर सकते हैं। विकीस्पीकर नामक एप खासकर बच्चों के लिए ही बनाया गया है। खासकर 5-12 वर्ष के बच्चों को पढ़ाई में जो दिक्कतें आती हैं, उनके समाधान के लिए इस एप को बनाया गया है, लेकिन यह टीनेजर्स और बड़ों के लिए भी काफी उपयोगी है।

अब जब भी तुम्हारे मन में किसी तरह का सवाल आए या किसी तरह की जानकारी चाहिए तो इस एप पर जाना। तुम्हारे सभी तरह के क्या, क्यों और कैसे के जवाब सेकेंडों में मिल जाएंगे तुम्हें। ऐसा करने से तुम्हें हर पल आसानी से नई-नई जानकारियां मिलती रहेंगी और तुम हर पल कुछ नया सीखोगे। तुम इन नई जानकारियों को अपने टीचर, पेरेंट्स और दोस्तों को भी बता सकते हो।

बिचपुरी नाके पर 26 लाख की नकदी जब्त

श्योपुर जिले के विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में 06 नवंबर 2023कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय कुमार के निर्देशन में विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत स्थापित किये गये नाको पर सघन रूप से एसएसटी टीम तथा एफएसटी द्वारा कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में आज एसएसटी नाका बिचपुरी विजयपुर पर मोटर साईकिल सवार से 26 लाख रूपये की नकदी जब्त की गई है। एसएसटी नाका प्रभारी एवं नायब तहसीलदार श्री शैलेन्द्र देव सिंह सेंगर ने बताया कि शाम 05 बजे चैकिंग के दौरान सबलगढ से विजयपुर आ रहे श्री पराग बंसल निवासी वार्ड 13 गल्ला मंडी विजयपुर से 26 लाख रूपये की राशि बरामद की गई। मोटर साईकिल से परिवहन कर ले जाई जा रही इस राशि के संबंध में श्री पराग बंसल द्वारा संतोषजनक कारण नही बताया गया न ही राशि के संबंध में कोई दस्तावेज प्रस्तुत किये गये, बरामद की गई राशि को थाना विजयपुर के मालखाने में सुपुर्दगी में दिया गया है।

मतदान कर्मियों का हुआ प्रशिक्षण , 372 कर्मचारियों ने प्राप्त किया प्रशिक्षण

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह
सिरोंज

शासकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय सिरोंज में 93 मतदान दलों में लगे 372 कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु सभी मतदान कर्मी जिले की अन्य तहसीलों से सम्मिलित हुए। केवल महिला कर्मचारी स्थानीय स्तर अर्थात सिरोंज की लगाई गई है। इस प्रशिक्षण में रिटर्निंग अधिकारी हर्षल चौधरी सहायक रिटर्निंग अधिकारी संजय चौरसिया जगन प्रसाद सौर ललित सक्सेना उपस्थित रहे। सामान्य प्रेक्षक स्थल का निरीक्षण किया। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर लालचंद राजपूत आरके दुबे कुशल कांत शर्मा मनोज शर्मा रामेश्वर शर्मा संघ प्रिया गौतम संजीव माथुर ब्रज श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण स्थल पर व्यवस्थापक के रूप में चंद्र प्रकाश व्यास पूरे समय उपस्थित रहे।

चितावर,देवपुर एवं नगर मण्डल के कार्यकर्ताओं का हुआ सम्मेलन

लक्ष्मीकांत शर्मा एक-एक कार्यकर्ता के हृदय में जीवित हैं- प्रभारी पंकज सिंह

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। आज पूरा प्रदेश कमल के फूल को खिलाने के लिए तैयार है बस आवश्कता है कि हम प्रत्येक कार्यकर्ता एक एक घर पहुँचकर मतदाता से सर झुका कर आशीर्वाद ले ले। इसमे कोई दोराह नही है कि प्रदेश में 150 से अधिक सीटे भाजपा जीतकर सरकार बनाने वाली है ओर उसमे सिरोंज लटेरी भी शामिल है लेकिन हमको अति उत्साह में भी नही रहना है पूरे आत्मविश्वास के साथ कार्यकर्ता को अपने मतदान केंद्र पर मेहनत करने की आवश्यकता है। यह बात विदिशा जिले के प्रभारी पंकज सिंह ने सुहाग गार्डन में आयोजित देवपुर,चितावर एवं नगर मंडल के कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि स्व.लक्ष्मीकांत जी आज हमारे बीच मे नही है लेकिन में देख रहा हूँ वह एक एक कार्यकर्ता के हृदय में जीवित है। आप कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत की बदौलत ही आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित हुई है। भाजपा ही एकमात्र ऐसा राजनैतिक दल है जो पहले राष्ट फिर संगठन और उसके बाद स्वयं का चिंतन करता है जबकि कांग्रेस में परिवारवाद ओर स्वयं के विकास पर ही ध्यान केंद्रित रहता है देश सेवा तो उनके आचरण में है ही नही। कोरोना काल इसका सबसे आदर्श उदाहरण है जब एक एक कार्यकर्ता पीड़ित मानवता की सेवा में जुट गया था। उधर कांग्रेस में दो नेता मंच से ही ही एक दूर के कपड़े फाड़ने की बात करते है। कांग्रेस ऐसी पार्टी है जो सीमा पर शहीद हुए सैनिकों की शहादत का सरकार से सबूत माँगते है और आतंकवादियों की मौत पर आँसू बहाते ओर नाम मे जी लगाते व है।नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में ऐसा माहौल बन गया है कि अगर हमारे कोई कार्यकर्ता बिना झंडे डंडे के सड़क पर केवल भारत माता की जयकार करते हुए भी निकल जाए तो समाज उसकी पहचान राष्टवादी के रूप में हो जाती है। इस अवसर पर विधायक प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने कार्यकर्ताओं के बीच अपनी

बात रखते हुए पूरे पण प्राण से प्रत्येक मतदान क्रेंद्र पर भाजपा को विजय बनाने के लिए जुट जाने का आव्हान किया।

कार्यकर्ताओ ने चुनाव लड़ने दिया चंदा-बैठक के दौरान उपस्थित भाजपा नेताओं,किसानों एवं व्यापारियों ने हमेशा की तरह चुनाव लड़ने के लिए भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा को सहयोग राशि देने के घोषणा भी की। कुछ ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों ने तो नगद रूप में ही मंच का संचालन कर रहे चुनाव संचालक रमेश यादव के पास अपनी नगद राशि भी प्रदान की । चुनाव लड़ने की इस सहयोग राशि मे सबसे छोटी राशि 11 रुपये थी तो सबसे बड़ी राशि ढाई लाख रुपये भी थी । एक ही बैतबक में लाखों रुपये की सहयोग राशि से अभिभूत उमाकान्त शर्मा ने कहा कि मेरे कार्यकर्ता बड़े देव दुर्लभ है जो परिश्रम की पराकाष्ठा भी करते है और आर्थिक सहयोग भी करते है। सम्मेलन को जिला अध्यक्ष राकेश जादौन, वरिष्ठ भाजपा नेता रघुनाथ सिंह रघुवंशी,जितेंद्र बघेल,महेंद्र सिंह दाँगी,रूपेश यादव,डॉ पी के विश्वास ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला महामंत्री बलबीर सिंह रघुवंशी,चरण सिंह राजपूत,झार सिंह दाँगी, पारस तारण, संतोष चौरे सहित मंडलो के नेतागण एवं बूथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की बेटियों ने भी संभाला मोर्चा- सिरोंज लटेरी विधानसभा से विधायक एवं प्रदेश के विभिन्न विभागों की मंत्री रहे स्व लक्ष्मीकांत शर्मा की बेटियां भी भाजपा प्रत्याशी एवं विकास पुरुष के रूप में पहचान स्थापित करने वाले लक्ष्मीकांत शर्मा के अनुज उमाकांत शर्मा के लिए उनकी बेटियों के द्वारा भी विधानसभा के गांव गांव घूम कर एक सहजता और सरलता के साथ एक पारिवारिक स्नेह रूपी बंधन से जुड़कर भाजपा को जीत दिलाने की अपील कर रही है

केडीबीएम महाविद्यालय इकाई द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने निकाली गई

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज । मतदान के लिए जागरूक करने राष्टीय सेवा योजना केडीबीएम महाविद्यालय इकाई द्वारा स्वीप कार्यक्रम में सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो ऐसे स्लोगन के साथ जागरूकता रैली निकाली गई। रैली कॉलेज प्रांगण से होते हुए मुख्य मार्ग छत्री नाका से बापिस कॉलेज में समापन हुआ कार्यक्रम को सम्बोधित करते केडीबीएम प्राचार्य शांताराम मराठा ने बताया मतदान के लिए जागरूक करने लिए स्वीप कार्यक्रम में जागरूकता रैली निकाली गई। उन्होंने कहा कि आगामी समय में विधानसभा निर्वाचन होने वाला है। इसमें 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवा

बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें और मतदान अवश्य करें, इससे स्वस्थ एवं मजबूत राष्ट्र का निर्माण हो सके। उन्होंने कालेज के विद्यार्थियों को निर्भीक एवं निष्पक्ष होकर स्वतंत्रतापूर्वक बिना प्रलोभन के चुनाव में अपने मत का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।सहायक प्रध्यापक भागीरथ पटेल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग ही भारत के भविष्य हो, भारत विश्व का सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश है, आप लोगों में बहुत से लोग पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करोगे, आप जिस तरीके से सरकार को चुनोगे, वो आपका भविष्य बनाएगी। रासेयो अधिकारी सुजीत कुशवाह ने विद्यार्थियों को आगामी निर्वाचन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने तथा अपने परिवार व आसपास के लोगों को निर्वाचन के लिए प्रेरित करने की बात कहीं।उन्होंने युवाओं से कहा कि शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए दृढ़ निश्चय के साथ तैयार रहें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक ,छात्र-छात्राये ओर स्टाफ उपस्थित रहा।

अभद्रता, गाली गलौज, गाड़ी ऊपर चढ़ने के प्रयास को लेकर दिया आवेदन फिर बढ़ा दिल दिखाकर किया राजीनामा

चुनाव प्रचार के दौरान आंप प्रत्याशी एवं महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओं से छीमका गांव में हुआ था विवाद।

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

गोहद। गोहद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत चुनाव प्रचार के दौरान आप प्रत्याशी एवं पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ अभद्रता एवं पदाधिकारीयों के ऊपर गाड़ी चढ़ाने के प्रयास का आरोप आप प्रत्याशी एवं पदाधिकारीयों के द्वारा लगाया गया जिसकी शिकायत प्रत्याशी द्वारा गोहद चौराहा थाना में की गई। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत छीमका मैं दोपहर 2=30 के लगभग आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी एवं महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष व पार्टी के पदाधिकारी चुनाव प्रचार कर रहे थे इस दौरान छीमका निवासी खड़क सिंह उर्फ कुलदीप राजावत के द्वारा पार्टी पदाधिकारी धर्मेंद्र सिंह तोमर के साथ गाली गलौज दिया गया, इस दौरान पार्टी के प्रत्याशी यशवंत पटवारी व प्रदेश अध्यक्ष मनीष सिंह तोमर के ऊपर गाड़ी चढ़ाकर जान से मारने का प्रयास किया गया। जिसकी शिकायत आप प्रत्याशी यशवंत पटवारी एवं पार्टी के पदाधिकारियों के द्वारा गोहद चौराहा थाना में की गई। शिकायत के पश्चात खड़क सिंह राजावत को जैसे ही थाने में शिकायती आवेदन देने की जानकारी मिली तो वह थाने में पहुंचे और उन्होंने माफी नामा लिखकर दिया इसके पश्चात आप प्रत्याशी यशवंत पटवारी के द्वारा बड़ा दिल दिखा कर अपनी शिकायत वापस ले ली और राजीनामा कर लिया।

हजरत दादावली रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर जश्न-ए-गौसुलवरा सम्पन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । 6 नंबम्बर 2023 को अल्पसंख्यक एकता विकास परिषद भिण्ड के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया अटेर क्षेत्र के ग्राम रानी बिरंगबा में प्राचीन काल की इतिहासिक दरगाह हजरत दादावली रहमततुललाह अलैह की मजारे पाक पर गुजिश्ता साल की तरह इस बर्ष भी जश्न-ए- गोसुल्वरा (ग्यारवीं शरीफ) के कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ ।इस जलसे में शिरकत करने वाले खुशूशी मेहमान जनाब मुफ्ती सैयद मोनीश हासमी साहब व जनाब सैयद रफीक अहमद काजी इरफान नवी ने अपने तकरीर में कहा कि भारतवर्ष एक सूफी संतों का देश है । हमें इन संत सूफियों के बताये गये रास्ते पर चलकर इनके आचरण का अनुकरण करना चाहिये और आपसी मतभेदों को भुलाकर सर्व मानव समाज में सदभावना भाईचारा एवं एकता कायम करना चाहिए और दुराचरण का परित्याग कर सत्य मार्ग पर चलकर सतकर्म करें और रब चाही जिन्दगी बसर करें, न कि मनचाही जिन्दगी जिये ताकि अपने मालिक दो जहां अल्लाह पाक(ईश्वर) की रजामंदी फेज हासिल हो सके।इस्लामिक उसूल के मुताबिक दरगाह दादावली पर चादर पोषी को गई, कुरान खबानी की तिलावत फातेहा खुबानी की रस्म अदा की गई और ग्यारहवी शरीफ का लंगर तकसीम किया गया । हिन्दू-मुस्लिम समाज के श्रद्धालुओं ने बड़े हर्सोउल्लास के साथ- जशन ए गोसुल्वरा कार्यक्रम में बड़ चढ़कर निष्ठापूर्वक भागीदारी कर हिन्दू-मुस्लिम भाईचारा सद्भाव एकता का परिचय देकर जिले में एक मिशाल कायम की जो सराहनीय है।इस कार्यक्रम के दौरान अल्पसंख्यक एकता विकास परिषद के अध्यक्ष इरशाद अहमद के द्वारा मुख्य अतिथि जनाब मुफ्ती सयद मोनिहासमी साहब जनाव सैयद रफीक अहमद,जनाव केसर कुमार सिंह, जनाव काजी इरफान नवी,हाजी बाबू खा फूफ, हाजी मुन्ना खा भिंड, हाजी अजीज खान भिंड,हाजी रफीक खान फूफ, हाजी सत्तार खा फूफ,रामकिशोर भारद्वाज एडवोकेट,रानू भदौरिया,मोसम अली,मौलवी ईशाक खान, मौलवी मोहम्मद उमर फूफ,भगीरथ सिंह कुशवाह,छुट्टन खान, रमजानी शाह आदि समाजसेवी विशिष्ट अतिथियों को एक-एक साफा भेंट की जाकर सम्मनित किया गया।इस कार्यक्रम में विशेष रूप से शिरकत करने वाले लोगों में इरफान खान गम्मू,साहिद खान गुड्डू, सुनील शर्मा, शहाबुद्दीन खान,सुनील खॉन, ईदू खान,छिंगे मास्टर,चांद मोहम्मद, अहिवरन सिंह बघेल,इब्राहिम खान,पंकज त्रिपाठी पत्रकार,भारत सिंह रावत पत्रकार,संतोष बघेल पत्रकार,सलिल खान, जहीर खान, मुख्तार खान,गम्मू मिर्जा, गुलाम हुसैन, सरवर खान,शकील खान आदि तमाम लोग सम्मिलित हुये।

मतदान प्रतिशत बड़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बूथ लेवल अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी होंगे पुरस्कृत

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा किया जा रहा नवाचार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए प्रदेश में 17 नवंबर को मतदान होगा। प्रदेश में इस बार मतदान प्रतिशत को बड़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और बूथ लेवल अधिकारी को नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। यह नवाचार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा किया जा रहा है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि निर्वाचन कार्य में बीएलओ की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाले शीर्ष 3-3 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को सम्मानित किया जाएगा। इस तरह से प्रदेश के 690 बीएलओ को पुरस्कार के रूप में 5-5 हजार रुपये की नकद राशि व प्रशस्ति पत्र भेंट की जाएगी।इसी प्रकार स्वीप गतिविधियों के माध्यम से जिले में मतदान प्रतिशत बड़ाने और निर्वाचन प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 230 विधानसभा क्षेत्रों में से शीर्ष-3 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों को 1-1 लाख रुपये और शीर्ष -3 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और जिला नोडल अधिकारी (स्वीप) को संबंधित विधानसभा क्षेत्र एवं जिले में स्वीप गतिविधियों के लिए 5-5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया जाएगा। चयनित अधिकारियों-कर्मचारियों को यह पुरस्कार 25 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रदेश के राज्यपाल द्वारा भव्य और गरिमामय सम्मान समारोह में दिया जाएगा।

महिलाओं ने लगाया आरोप 3 तीन हज़ार रुपये देने दिया जा रहा लालच

ग्राम पंचायत इंटार में दर्जनों की तादात में एकत्रित महिलाओं से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ता अशोक जायसवाल एवं सच्चिदानंद शर्मा द्वारा गांव में जगह-जगह महिलाओं को एकत्रित कर उनका फॉर्म भराया जा रहा था और उन्हें यह कहा जा रहा है की गु? में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की 06 नबंर को चुनावी जनसभा के लिए आगमन हो रहा है, जिसमें अधिक से अधिक महिलाओं को पहुंचना है, जो महिलाएं मुख्यमंत्री की सभा में पहुंचेंगी उन्हें, सभा के बाद यानी कि 07, व 11,नवंबर को उनके खाते में 3000, रुपये भेजे जाएंगे, इस बात की जानकारी लगते ही गांव में महिलाएं एकत्रित होने लगी और लाडली वहना का फॉर्म भरा जा रहा था, जिसकी जानकारी लगते ही गांव में हड़कंप मच गया, वही इस बात की शिकायत तत्काल निर्वाचन आयोग से की गई इसके बाद देर रात गांव पहुंची एफएसटी की टीम ने कार्यवाही की है, हालांकि कार्यवाही करने आई टीम के रवैये से लोग संतुष्ट नहीं है, निर्वाचन आयोग की कार्यवाही भी संदिग्ध मानी जा रही है,

कांग्रेस पर जमकर बरसे सिंधिया,भारतीय जनता पार्टी के प्रत्यासी के लिये जनता से मांगा समर्थन

उमाकान्त शर्मा
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड/मेहगांव केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस की कमलनाथ सरकार पर बरसे बीजेपी की जनकल्याणकारी योजना को कमलनाथ ने बंद करके जो पाप किया है उसका जबाब जनता देगी,कांग्रेस ने किसानो के साथ कर्ज माफी मे छल किया हैं।जबकि कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की थी कि सरकार बनते ही पहला काम किसानो की कर्जमाफी होगा, अगर नही हुआ तो दस दिन में मुख्यमंत्री बदल देंगे।2018 मे जब कांग्रेस की सरकार बनी तो

कमलनाथ मुख्यमंत्री बने तब उन्होंने कोई कर्ज माफ नहीं किया,उन्होंने एक उद्योग लगाया जिसका नाम था तबादला उद्योग,2018 मे कर्ज माफ करने का वादा किया था लेकिन कर्जा किसी का माफ नहीं हुआ।अगर मेने सरकार नही बदली होती तो 23000 हजार करोड़ रुपये का किसानों का व्याज माफ कैसे होता 12000 रुपये केन्द्र सरकार व राज्य सरकार किसान सम्मान निधि एंव मुख्यमंत्री कल्याण योजना के तहत क्या आपको मिल पाते,मेहगांव मे मंच से बोलते हुए सिंधिया ने लाडली बहना ज्योति जी को खडा करके पूछा कि लाडली बहना योजना

अभ्यर्थियों को देनी होगी आपराधिक प्रकरणों की जानकारी

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत अभ्यर्थी को आपराधिक प्रकरणों की जानकारी देनी होगी। इसके लिए अभ्यर्थी को तीन अलग-अलग तिथियों में समाचार पत्रों में प्रकाशन एवं न्यूज चैनलों में प्रसारण कराना होगा, जिससे मतदाताओं को ऐसे उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि के बारे में पता चल सके।भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार राष्ट्रीय समाचार पत्र जिनकी कम से कम एक संस्करण की संख्या डीएवीपी अथवा ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन के मानक के अनुसार न्यूनतम 75000 या उससे अधिक हो एवं जिनका एक से अधिक राज्य में सर्कुलेशन हो तथा इसी प्रकार ऐसे स्थानीय जिलों में देखे जाने वाले टी.व्ही. चैनलों में प्रसारित संख्या डीएवीपी अथवा ऑडिट ब्यूरो ऑफ सर्कुलेशन मानक के अनुसार न्यूनतम 25000 हो। उक्त सूची बेवसाइट 222से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की डाउनलोड की जा सकती है।

बांसखेड़ी मे मंडली ने मतदाता को गीत गाकर आदिवासी मतदाताओं को किया जागरूक

सीईओ मरावी ने चौपाल लगाकर आदिवासी मतदाताओं मतदान करने की दी समझाइश

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जनपद शिवपुरी में इस बार विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान हेतु कलेक्टर शिवपुरी के मार्गदर्शन में जोर शोर से स्वीप गतिविधिया चल रही हैं , इसी तारतम्य में सीईओ जिला पंचायत शिवपुरी रात में जब आदिवासी मतदाता फसल आदि के काम से लौटकर घर आ जातें हैं। प्रतिदिन अलग अलग पंचायतो में देर रात तक चौपाल लगाकर मतदाताओं को समझाइश दे रहे हैं।शिवपुरी जनपद की बांसखेड़ी पंचायत में मंडली ने मतदाता जागरूकता गीत प्रस्तुत किया इस

स्वीप कार्यक्रम में मतदाताओं का उत्साह देखने लायक था।सीईओ मरावी स्वयं पहुंचे और आदिवासी मतदाताओं को मतदान गीतों के माध्यम से जागरूक किया। उसके पश्चात चौपाल लगाकर समझाइश दी एवं सभी को मतदान की शपथ दिलवाई। उपस्थित मतदाताओं ने हाथ खड़े कर एकसाथ 17 नवंबर को सारे काम छोड़कर सबसे पहले मतदान करने की सहमति दी। इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में एपीओ श्रीवास्तव, पीसीओ पाराशर, रोजगार सहायक बांसखेड़ी एवं रायश्री सेक्टर के सचिव रोजगार सहायको का विशेष योगदान रहा।

मध्यप्रदेश कई मायनों में नंबर वन है। भ्रष्टाचार , बैरोजगारी, मंहगाई, महिला उत्पीडन और घोटालों में नंबर वन है भाजपा सरकार ने इन सब मामलों में राज्य को बीमारू बना दिया है

कांग्रेस पार्टी यह तस्वीर बदलने का काम करेगी। डबल इंजन की सरकार हुकुमत कर रही हैं, फिर क्या कारण है कि प्रदेश की जनता की समस्याओं का निराकरण नहीं हो पाया हैं। हमसे कहते हैं कि कांग्रेस ने क्या किया, हम कहते है कि कांग्रेस ने हर क्षेत्र में बहुत काम किया, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बेचने में लगे हैं। यह बात कांग्रेस पार्टी के राष्ड़्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ग्वालियर के थाठीपुर दशहरा मैदान में कांग्रेस की विशाल जनसभा कों संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर पार्टी के राष्ड़्ट्रीय महासचिव एवं म.प्र. के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन, संत कृपाल सिंह महाराज, धाकड संजय मसानी, ग्वालियर चंबल प्रभारी शिव भाटिया, पूर्व डिप्टी कलेक्टर एवं कांग्रेस नेत्री श्रीमती निशा बांगरे, पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, पूर्व सांसद रामसेवक सिंह बाबूजी, महापौर डॉ. शोभा सिकरवार, कांग्रेस उम्मीदवार एवं विधायक लाखन सिंह यादव, कांग्रेस उम्मीदवार एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, कांग्रेस उम्मीदवार एवं विधायक प्रवीण पाठक, कांग्रेस उम्मीदवार एवं विधायक सुरेश राजे, कांग्रेस उम्मीदवार साहब सिंह गुर्जर एवं कांग्रेस प्रत्याश सुनील शर्मा आदि मंचासीन रहे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने स्वागत भाषण दिया और महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने पार्टी के राष्ड़्ट्रीय अध्यक्ष श्री खरगे को पुष्ड़प गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। कांग्रेस पार्टी के राष्ड़्ट्रीय अध्ड्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदेश की भाजपा सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास त्याग, तपस्या और बलिदान का रहा है। ग्वालियर-अंचल की धरती वीर सपूतों की धरती है, जिसे मैं नमन करता हूॅ। उन्होंने कहा कि यह भूमि खुद्धारी-आन-बान और शान के लिए जानी जाती है। सन् 1957 में वीरागंना लक्ष्मीबाई के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता है।

भाजपा का कोई गौरवशाली इतिहास नही रहा है, भाजपा अंग्रेजों की सेवा तक सीमित रही और आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को धर्म और जाति के नाम पर बांटने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी गरीबों-पिछड़ों की चिंता करने के बजाए अडानी और अंबानी की चिंता करते हैं। कांग्रेस पार्टी अगर जातिगत गणना की बात करती है तो भाजपा क्यों इससे भाग रही है। हमेशा हर चुनाव में अपने चेहरे पर वोट मांगते हैं, कभी किसान की आय बढाने, स्वास्थ-शिक्षा में सुधार की बात नहीं करते हैं। सिर्फ वोट मांगते हैं। उन्होंने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के दौरान महिलाओं, किसानों, व्यापारियों, आमजनों से चर्चा की, तो भाजपा ने यात्रा पर ही सवाल खड़े किए जबकि प्रधानमंत्री कभी जनता से नहीं मिलते, उनके दर्शन दूरदर्शन पर ही होते हैं। कांग्रेस पार्टी के द्वारा किए गए कार्यों एवं त्याग, तपस्या व बलिदान का जिक्र करते हुए श्री खरगे ने कहा कि पं. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिये बड़े-बड़े काम किए, गरीब कल्याण की योजनाएं बनाई और देश की एकता व अखण्डता के लिए इंदिरा गांधी व राजीव गांधी ने कुर्बानी दी। कांग्रेस बाबा साहब अंबेडकर के संविधान, लोकतंत्र को बचाने के लिए लडती रही है और यह लोग ब्रिटिशों के साथ मिले रहे है और हमसे पूंछते है क्या किया। हमारा इतिहास कुर्बानी का है, देश को विकास व प्रगति के पथ पर ले जाने का रहा है, जिसे आज प्रधानमंत्री बेच रहे हैं। शिवराज सरकार पर हमलावर लहजे में श्री खरगे ने कहा कि मध्यप्रदेश भ्रष्ड़टाचार का अड्डा बन गया है। अनेक घोटाले हुए हैं। महाकाल लोक में घटिया निर्माण के कारण मूर्तियां टूट गई। किसानों ने परेशान होकर आत्म हत्याएं की। दलित व आदिवासियों पर उत्पीडन हुए, उनके शरीर पर पेशाब कर दी तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुप क्यों रहे। मैं कहता हूॅ कि पूरी सरकार ही काली है। उन्होंने जनता से आव्हान किया कि सच और सफेद सरकार बनाने के लिए कांग्रेस के सभी प्रत्याशियों को प्रचण्ड बहुमत से जीत दिलाएं। कांग्रेस पार्टी गरीबों को ऊपर उठाने के लिए काम करती हैं जबकि भाजपा दो उद्योगपतियों को ऊपर उठाने के लिए जनता का पैसा उन्हे दे रही है।

दीपावली पर अतिरिक्त फेरे लगाएंगे कचरा वाहन, संख्या भी बढ़ाई जाएगी

ग्वालियर । दीपावली के मौके पर घरों से निकलने वाले अतिरिक्त कचरे को एकत्रित कर लैंडफिल साइट तक पहुंचाने के लिए अब टिपर वाहन अतिरिक्त फेरे लगाएंगे। इसके अलावा प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में रात के समय कचरे के ढेरों को उठवाने के लिए वाहनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। यहां डंपर व जेसीबी जैसे अतिरिक्त वाहन बढ़ाए जाएंगे। सोमवार को नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह के निर्देश पर निगम उपायुक्त स्वच्छ भारत मिशन अमरसत्य गुप्ता ने स्वच्छता कार्य से जुड़े अमले की बैठक लेकर दीपावली पर साफ-सफाई के लिए कार्ययोजना तैयार की।ली से जौरा के बीच ब्राडगेज ट्रैक पर **120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाई ट्रेन**-बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिए कि डिपो से वाहन समय पर निकलें। कचरा ट्रांसफर स्टेशनों पर डोर-टू-डोर टिपर वाहनों को जल्द से जल्द खाली कर उन्हें वापस फील्ड में भेजें, जिससे अधिक से अधिक कचरा एकत्रित किया जा सके। वहीं मैदानी अमले को ज्यादा देर तक कार्य करने के निर्देश दिए हैं। दीपावली के समय प्रत्येक घर में सफाई कार्य होने के चलते प्रतिदिन शहर से कचरा निकलने की मात्रा में 300 से 400 टन की वृद्धि हो जाती है, इसके चलते उपायुक्त ने व्यावसायिक क्षेत्रों में रात्रि में भी सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं स्वच्छता अमले के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह प्रतिदिन सफाई कार्य की निगरानी करें। दीपावली पर कचरे की मात्रा को देखते हुए तीनों विधानसभा क्षेत्र में रात के समय दो-दो डंपर एवं एक-एक जेसीबी अतिरिक्त लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कचरे की ज्यादा मात्रा को देखते हुए सभी वाहन अतिरिक्त चक्कर लगाएंगे। बैठक में नोडल अधिकारी केदारपुर प्लांट महेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मुख्य स्वच्छता अधिकारी डा. वैभव श्रीवास्तव और अनुज शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी भीष्म पमनानी, किशोर चौहान, अजय ठाकुर आदि मौजूद थे।

17 अस्पताल करा चुके अपनी बेड संख्या कम, अब नए आवेदन पहुंचे

ग्वालियर. । बड़े अस्पताल अब अपनी बेड संख्या कम कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग में आवेदन कर रहे है। इससे पहले शहर के 17 अस्पताल अबतक बेड संख्या कम करा चुके हैं। जबकि कुछ अस्पतालों ने तो पंजीयन ही रद्द करा लिया है। अब उन अस्पतालों के आवेदन पहुंच रहे है जो केवल कागजों में चल रहे हैं।बेड संख्या कम कराने या अस्पताल बंद कराने के पीछे मेडिकल वेस्ट के निष्पादन को लेकर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सख्ती बताई जा रही है। जिससे घवराकर सीएमएचओ आफिस में बेड संख्या कम कराने आवेदन कर रहे हैं।असल में जितने बेड संख्या दर्ज हैं उतने पर अस्पताल संचालकों को मेडिकल वेस्ट के निष्पादन को लेकर 10 रुपये प्रति बेड प्रति दिन के हिसाब से इंसीनरेटर के लिए देने होते हैं। जो अबतक यह अस्पताल नहीं दे रहे थे। जिसको लेकर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इस डर से अब

अस्पताल अपने बेड संख्या कम करा रहे हैं या फिर पंजीयन ही रद्द करा रहे हैं।एक

सैकड़ा से अधिक अस्पतालों ने सौ से लेकर डेढ़ सौ बेड की ली है अनुमति-

शहर में करीब एक सैकड़ा अस्पताल ऐसे हैं जिन्होंने 100 से लेकर डेढ़ सौ बेड की अनुमति ले रखी है पर हकीकत में उनके पास न बेड है,न डाक्टर हैं और न मरीज। जो न्यायालय का निर्णय विपरीत आते ही अपना पंजीयन रद्द कराने या फिर बेड संख्या कम कराने के लिए आवेदन करेंगे।गौरतलब है कि प्रदेश भर में संचालित नर्सिंग कालेजों में होने वाली गड़बड़ी को लेकर सीबीआई जांच कर रही है। जिसके चलते सत्र 2023-24 में प्रवेश देने की पोर्टल खोलने की अनुमति नर्सिंग काउंसिल नहीं दे रहा है।जिसको लेकर प्रदेश सरकार पर नर्सिंग कालेज संचालक दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं कि पोर्टल खोला जाए। जिसको लेकर प्रदेश सरकार इस मसले को सुलझाने के लिए न्यायालय की शरण में पहुंची है। पहले 6 नवंबर को सुनवाई होनी थी जिसे एक दिन के लिए टालकर 7 नवंबर को की जाएगी।

जिन्होंने फंसाया वो गए जेल, टीआई पर बहाना ढूंढ रहे

ग्वालियर। हनीट्रैप में फंसने वाले दुष्कर्म के आरोपित टीआइ तिमेश छारी पर एफआइआर के बाद गिरफ्तारी के मामले में ग्वालियर पुलिस कटघरे में है। टीआइ को हनीट्रैप में फंसाने वाली दो युवती व युवक को तत्परता से गिरफ्तार भी कर लिया गया और कोर्ट पेश किया जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया। यहीं सांठगांठ की बू आ रही है। कैसे पुलिस को हनीट्रैप में फंसाने वाले तो मिल गए लेकिन खुद के ही महकमे का टीआइ नहीं मिल रहा। आरोपित टीआइ रविवार दोपहर करीब 2 बजे तक अपने विंडसर हिल्स स्थित घर पर ही था। इसके बाद उस पर एफआइआर करने की तैयारी पुलिस

अधिकारियों ने कर ली तो इसकी खबर पुलिस महकमे से ही उस तक पहुंच गई। एफआइआर होने से पहले ही वह अपनी कार लेकर फरार हो गया। अब पुलिस अधिकारियों का कहना है- उसका अभी सुराग नहीं लगा है। हजीरा थाने के टीआइ तिमेश छारी (अब निलंबित) की दोस्ती फेसबुक पर भिंड के लहार की रहने वाली युवती से हुई थी। टीआइ ने पड़ाव थाने में युवती, उसके भाई व एक अन्य महिला पर एक्सटार्शन सहित अन्य धाराओं में एफआइआर दर्ज करवाई थी। पड़ाव पुलिस ने सुबह 9.45 बजे टीआइ की शिकायत पर एफआइआर लिखी, युवती की शिकायत पर रात 10.01 बजे टीआइ पर एफआइआर की। इस मामले में पीडिता ने अपने कथन में बताया है कि 2 नवंबर को टीआइ तिमेश छारी का फोन उसके पास आया था। इस दौरान उसने मिलने की बात कही तो उसने कहा उसका स्कूटर खराब है। इस पर उसने बोला था - वह उसके लिए विदेश तक आ जाएगा। पन्द्रह मिनट में वह कार लेकर आ गया। इसके बाद अपनी कार से युवती को हजीरा थाने के पास स्थित फ्लैट पर ले गया। यहां फ्लैट नंबर-3 में वह रहता है, इसमें दुष्कर्म किया।

सुमावली से जौरा के बीच ब्राडगेज ट्रैक पर 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाई ट्रेन

ग्वालियर । ग्वालियर-श्योपुर ब्राडगेज ट्रैक परियोजना के अंतर्गत सुमावली से जौरा के बीच 16 किमी लंबे रेल खंड पर 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से ट्रेन दौड़ाकर ट्रायल किया गया। इस दौरान रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) मनोज अरोरा ने पूरे ट्रैक का जायजा लिया। उन्होंने इस रेल खंड पर बनाए गए स्टेशन भवनों और ट्रैक का मोटर ट्राली से निरीक्षण किया। इस रेल खंड पर वर्तमान में सुमावली तक मेमू ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह ट्रेन दिनभर में तीन जो?ी फेरे लगा रही है। रेलवे ने इस ट्रैक पर चरणबद्ध तरीके से ट्रेन के संचालन की योजना बनाई है, जिसके अंतर्गत अब जौरा तक ट्रेन का विस्तार किया जाना है। इसके लिए सोमवार को सीआरएस मनोज अरोरा ट्रैक का

निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। उन्होंने ट्रैक के साथ ही सिग्नल रूम आदि का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा, उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण मंजुल माथुर, सीएसइ प्रशांत कुमार वर्मा, सीइडीइ एससी तिवारी, सीइ टीएमसी गौरव वर्मा आदि मौजूद रहे।

आज झांसी दतिया तीसरी लाइन का निरीक्षण-सीआरएस मनोज अरोरा आज झांसी से दतिया के बीच बिछाई गई तीसरी लाइन का निरीक्षण करेंगे। इस लाइन पर भी ट्रेन को 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाने के साथ ही ट्राली निरीक्षण भी किया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत अभी दतिया से डबरा, अनंतपैठ से ग्वालियर, मुरैना से हेतमपुर पर भी तीसरी लाइन पर ट्रेन के संचालन का निरीक्षण भविष्य में किया जाना है।

छठ पूजा के लिए बिहार रूट की ट्रेनों में लंबी वेटिंग

ग्वालियर. । दीपावली के त्योहार के बाद 17 से 20 नवंबर तक चार दिवसीय कार्तिक छठ पूजा महोत्सव का आयोजन बिहार में किया जाता है। इसके चलते शहर से बिहार और चंबल एक्सप्रेस में 14 दिन पहले से ही 100 से लेकर 180 तक वेटिंग पहुंच गई है। जिन यात्रियों को इन ट्रेनों से यात्रा करना है, वे हर दिन अब रेलवे स्टेशन के रिजर्वेशन काउंटर के चक्कर लगा रहे हैं। किसी भी तरह यात्री अपनी सीट बुक कराने में लग गए हैं। जैसे-जैसे दीपावली नजदीक आती जा रही है, वैसे- वैसे ही वेटिंग अब लंबी होती जा रही है।

ग्वालियर से बिहार जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक-ग्वालियर से बिहार जाने वाले यात्रियों की संख्या काफी है, लेकिन यहां से ट्रेनों की संख्या काफी कम है। शहर से सैकड़ों यात्री दीपावली के आसपास त्योहार मनाने के साथ ही छठ पूजा के चलते बिहार के विभिन्न शहरों के लिए रवाना होते हैं। बरौनी एक्सप्रेस बरौनी तक और चंबल एक्सप्रेस पश्चिम बंगाल के हावड़ा तक जाती है। ऐसे में बिहार का कुछ क्षेत्र इन ट्रेनों को मिलता है, इसलिए इन्हीं दोनों ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ हो जाती है। उधर मौका पाकर दीपावली के आसपास फ्लाइट में किराया दोगुना तक पहुंच गया है। वर्तमान में बरौनी एक्सप्रेस में 12 से 25 नवंबर तक स्लीपर कोच में 145 से 178 तक लंबी वेटिंग बनी हुई है। वहीं बरौनी एक्सप्रेस के ही 12 से 15 नवंबर तक थर्ड एसी कोच में 20 से 65 तक की लंबी वेटिंग हो चुकी है, जिसके कन्फर्म होने की उम्मीद न के बराबर है। यही कारण है कि अब लोगों को सिर्फ तत्काल कोटे से मिलने वाली आरक्षित बर्थो का ही सहारा है, लेकिन यह भी यात्रा की दिनांक से एक या दो दिन पहले ही बुक होंगी।

बेहट थानेदार सुरेश कुशवाहा को बाजरे के खेत में डरा सहमा हुआ बालक मिला

पुलिस व आश्रम स्वर्ग सदन की मानवता व धैर्य की बदौलत साड़े तीन साल बाद परिजनों के चेहरे में खुशी आई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । थाना बेहट क्षेत्रान्तर्गत घुसगुवाँ गाँव में राजेश कुशवाहा के बाजरे के खेत में डरा सहमा हुआ एक बालक बैठा मिला था, जिसकी सूचना थाना बेहट पुलिस को मिली, जिस पर थाना बेहट के थानेदार सुरेश कुशवाहा मौड़े पर पहुँचे और खेत में मिले युवक को थाने लेकर आए। युवक को थाने में लाकर नहलाया और खाना खिलाया तो उसने अपना नाम प्रदुमन पासवान बताया तथा स्वयं को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर ड़िले के गोरावर

गाँव का रहने वाला बताया। पुलिस ने युवक को नये कपड़े दिलवाए और प्रेम से पूछताछ की तो उसने पिता का नाम विजय पासवान बताया। युवक थोड़ा मंदबुद्धि होने से उसे ज्यादा कुछ याद नहीं था। पुलिस द्वारा युवक से पूछने पर कि कहाँ से आए हो और यहाँ कैसे पहुँचे तो वह सिर्फ़ इतना बता रहा था कि मुरैना से मुझे एक व्यक्ति गाड़ी में बैठाकर लाया और यहाँ छोड़ दिया। खेत में मिले युवक के संबंध में पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे एवं अति. पुलिस अधीक्षक उत्तर श्री अमृत मीना को अवगत कराया गया, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर एसडीओपी बेहट श्री संतोष कुमार पटेल द्वारा थाना बेहट पुलिस को उसके गांव के सरपंच का नाम व मोबाइल नम्बर ज्ञात करने के लिए लगाया गया। पुलिस ने नेट पर गोरावर गाँव के सरपंच का मोबाइल नंबर निकालकर बात कि लेकिन सरपंच ने राजनीतिक दुश्मनी के कारण उसके परिजनों को नहीं बताया। पुलिस ने युवक को आश्रम स्वर्ग सदन में रुकवाया और स्वर्ग सदन की टीम ने अपनी गोरखपुर शाखा के माध्यम पता लगवाया तो पाँचवें दिन मानसिक विक्षिप्त बालक के मामा, भाई व चाचा ग्वालियर पहुँचे जो पिछले साड़े तीन साले में उम्मीद खो चुके थे लेकिन आज उनकी आँखों में अपने भाई को देखकर प्रेम के आंसू थे। परिजनों ने बताया कि वर्ष 2020 में कोरोना के लॉकडॉउन लगने से पहले ड़ायब हो गया था जो आज मिला। उसके एक भाई की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी थी। आश्रम स्वर्ग सदन से युवक को परिजन अपने साथ ले गये और ग्वालियर पुलिस को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर एसडीओपी बेहट श्री संतोष कुमार पटेल भी उपस्थित थे। पुलिस व आश्रम स्वर्ग सदन की मानवता व धैर्य की बदौलत साड़े तीन साल बाद परिजनों के चेहरे में खुशी आई और ग्वालियर पुलिस की सजगता और त्वरित कार्यवाही से अपने परिजनों से बिछड़ा युवक अपनों से मिल सका।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478